संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 234 गुरूवार 26 जून 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आपात काल के 50 वर्ष हुए पूरे

पीएम मोदी ने की इंदिरा सरकार की आलोचना

कोई भी तानाशाह,चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो,भारतीय लोकतंत्र की नींव को उखाड़ नहीं सकता:अमित शाह...

नईदिल्ली,25 जून 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक सभी नेताओं ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि आज आपातकाल लागू होने की पचासवीं वर्षगांठ है,जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने लिखा कि इस दिन भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया। मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं,छात्रों और आम नागरिकों को जेल भेज दिया गया। ऐसा लग रहा था मानो उस समय सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूल सकता कि किस प्रकार हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबा दी गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनके कार्यों का एक ज्वलंत उदाहरण है।

आपातकाल के दौरान लड़ने वालों को सलाम:मोदी

प्रधानमंत्री ने लिखा कि हम उन सभी को सलाम करते हैं जो आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में मजबूती से खड़े रहे। ये पूरे भारत के हर क्षेत्र, अलग-अलग विचारधाराओं वाले लोग थे, जो एक साझा उद्देश्य के लिए मिलकर काम करते थे। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना तथा उन आदर्शों को कायम रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करने और नए चुनाव कराने के लिए मजबूर किया। जहां वह बुरी तरह हार गये।

आपातकाल कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता है:शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता लोलुपता का अनुचित काल था। नई पीढ़ी को पता चलेगा कि 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल के दौरान देशवासियों को कितनी पीड़ा और तकलीफें झेलनी पड़ी थीं। इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को संविधान हनन दिवस का नाम दिया है। यह दिन हमें बताता है कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जनता के पास उसे उखाड़ फेंकने की शक्ति होती है।

उन्होंने कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं थी, बल्कि यह कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का प्रतिबिंब था। प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया गया, न्यायपालिका पर अंकुश लगा दिया गया और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल भेज दिया गया। देशवासियों ने गद्दी खाली करो के नारे लगाए और निरंकुश कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि।

50 साल बाद भी कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली: जेपी नड्डा

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पचास साल पहले तत्कालीन कांग्रेस प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी, जो एक राजनीतिक घटना नहीं थी बल्कि लोकतंत्र पर सीधा हमला था। पचास साल बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ जिंदा है। उनका उद्देश्य आज भी वही है, जो 1975 में था।

25 जून को प्रतिवर्ष संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए...

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रखा प्रस्ताव

भारत में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पूरे होने के गंभीर अवसर पर,डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन ने नई दिल्ली में एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया,जिसमें भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय पर विचार किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य भाषण केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा दिया गया। आपातकाल को लोकतंत्र की आत्मा पर एक क्रूरतम प्रहार बताते हुए,शाह ने प्रस्ताव रखा कि 25 जून को प्रतिवर्ष संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।. एक ऐसा दिन जब संविधान के हनन और सत्तावाद के विरुद्ध डटे लाखों भारतीयों के साहस को याद किया जाए।

अमित शाह ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य भारतीय संस्कृति में गहराई से समाहित हैं. उन्होंने स्मरण किया कि कैसे उपनिवेश काल में भी भारतवासी,चाहे किसी भी क्षेत्र या पृष्ठभूमि से हों,प्रतिनिधिक शासन की आकांक्षा रखते थे, और वही मूल्य आज भी राष्ट्र की आकांक्षाओं को दिशा दे रहे हैं। भारत को लोकतंत्रों की जननी बताते हुए, उन्होंने वैशाली और मल्लों जैसे प्राचीन गणराज्यों का उदाहरण दिया और बताया कि हमारे लोकतांत्रिक परंपराएं कितनी गहराई तक जमी हुई हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तानाशाह, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, भारतीय लोकतंत्र की नींव को उखाड़ नहीं सकता।

कांग्रेस लोकतांत्रिक परंपरा को नहीं मिटा सकती:राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आपातकाल की 50वीं सालगिरह के मौके पर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पचास साल पहले, भारत ने आपातकाल का काला दौर देखा था, जिसमें लोकतंत्र के मूल्यों को कुचलने का प्रयास किया गया था। विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया गया। लेकिन अपने प्रयासों के बावजूद तत्कालीन सरकार इस देश में मौजूद लोकतांत्रिक परंपराओं को मिटाने में असफल रही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों के संघर्ष और बलिदान ने भारत के लोकतंत्र को बचाया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करना इस काले अध्याय को याद करने और तानाशाही के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है।

महत्वपूर्ण खबर

कूलर बना काल, चली गई दो की जान

बांदा,25 जून 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां एक मासूम बच्चे और उसकी नानी की मौत हो गई। दरअसल, बच्चा घर में रखे कूलर को ऑन कर रहा था तभी कूलर में करंट उतर आया। बच्चा करंट की चपेट में आ गया। नानी ने जैसे ही उसे देखा तो बचाने दौड़ी। नतीजा ये हुए कि वो भी करंट की चपेट में आ गयी। दोनों की चिपककर दर्दनाक मौत हो गयी। पुलिस ने नाती और उसके नानी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि राजस्व विभाग के साथ मिलकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

महिला का नहाते हुए वीडियो किया रिकॉर्ड,लूटी इज्जत

अलवर,25 जून 2025(ए)। राजस्थान में अलवर जिले के बहतूकलां थाना क्षेत्र में महिला से एक साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। मालूम हुआ कि आरोपी ने महिला का नहाते हुए वीडियो बना लिया था। वह उसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर एक साल तक उसे ब्लैकमेल करता रहा और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देता रहा।

अपराधियों ने दो युवकों को मारी गोली

एक हफ्ते पहले मांगी थी पांच लाख की रंगदारी

हजारीबाग,25 जून 2025(ए)। झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत केरेडारी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बुधवार को दो युवकों को दिनदहाड़े गोली मार दी। दोनों को जख्मी हालत में इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। घायलों के नाम फूलेश्वर बेदिया और बैजू बेदिया हैं। इनमें से फूलेश्वर बेदिया को सीने में गोली लगी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों बड़कागांव प्रखंड के लुरुंगा गांव के रहने वाले हैं।

यह मेरी नहीं,भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत है

एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च के बाद शुभांशु शुक्ला का देश के लिए पहला संदेश

नईदिल्ली,25 जून 2025 (ए)। शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 3 अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हो गए हैं। यह मिशन आज दोपहर 12:01 बजे अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। सफलतापूर्वक मिशन लॉन्च होने के बाद शुक्ला नेअंतरिक्ष यान से भारत के लिए हिंदी में बोलते हुए अपना पहला संदेश भेजा, जिसने पूरे देश को गर्व और खुशी से भर दिया है।अंतरिक्ष से भारत के लिए अपने पहले संदेश में शुक्ला ने कहा, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों, यह शानदार यात्रा थी...41 साल बाद हम फिर से अंतरिक्ष में हैं। इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा है, जो बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं, बल्कि आप सब मेरे साथ हैं। उनका यह संदेश पूरे देश में गर्व और भावुकता से भरा हुआ पल बन गया। उन्होंने आगे कहा, यह मेरी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन तक की यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। मैं चाहता हूं कि हर भारतीय इसका हिस्सा बने। आप सबका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए और आप भी उतनी ही खुशी और जोश के साथ इस यात्रा का स्वागत करें। आइए हम सब मिलकर भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत करें। जय हिंद, जय भारत।

पिता का सीना चौड़ा,मां हुईं भावुक,बेटे को अंतरिक्ष की उड़ान भरते देख झूम उठा शुभांशु शुक्ला का परिवार

एक्सिओम-4 मिशन के साथ भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर पूरा देश गर्व कर रहा है। बेटे को अंतरिक्ष के सफर पर जाता देखकर उनकी मां आशा शुक्ला उड़ान के समय भावुक हो गईं। पिता का सीना चौड़ा था और वह खुशी से झूम रहे थे। परिवार ने जश्न मनाने के साथ शुभांशु शुक्ला के सफल मिशन की प्रार्थना की। लखनऊ में जन्मे शुभांशु शुक्ला के परिवार ने फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से एक्सिओम 4 का प्रक्षेपण देखा। मिशन के उड़ान भरने पर शुभांशु शुक्ला के माता-पिता और रिश्तेदार जश्न मनाते हुए नजर आए। मिशन की लॉन्चिंग के समय शुभांशु की मां आशा शुक्ला भावुक थीं। उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे। अपने बेटे को अंतरिक्ष में उड़ान भरते देखकर वह अपने आंसुओं को रोक नहीं पाईं। बातचीत में शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा कि आज कुछ कहने के लिए शब्द नहीं हैं। बहुत खुशी का दिन है। महीनेभर से इस पल का इंतजार हो रहा था। अपने बेटे को देखकर थोड़ा भावुक हूं। प्रार्थना है कि वह सफल होकर अंतरिक्ष से लौटे। शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हम बहुत खुश हैं। भगवान का धन्यवाद देते हैं। भगवान से प्रार्थना करते हैं कि ये मिशन सफल रहे। शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा, शायद सिर्फ आंसू ही उस पल को बयां कर सकते हैं, क्योंकि मैं वास्तव में इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

4 मिशन लॉन्च,शुभांशु शुक्ला ने रचा इतिहास,अंतरिक्ष के लिए रवाना

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेश सेंटर यानी आईएसएस की ओर रवाना हो गए हैं। एक्सिओम-4 में भारत के लाल शुभांशु शुक्ला के साथ उनके तीन और साथी स्पेसएक्स के ड्रैगन एयरक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हो गए हैं। शुभांशु दोपहर 12:01 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हो गए. वह 28 घंटे की यात्रा करके कल शाम भारतीय समय के मुताबिक करीब 4:30 बजे इंटरनेशनल स्पेश स्टेशन में डॉकिंग करेंगे. शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो इंटरनेशनल स्पेश स्टेशन में कदम रखेंगे। वह वहां 14 दिनों तक रहेंगे और रिसर्च करेंगे।

सीज़फ़ायर के दूसरे दिन ईरान में मोसाद से जुड़े 3 इजराइली जासूसों को दी फांसी,700 गिरफ्तार

ईरान,25 जून 2025 (ए)। ईरान और इजराइल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से 12 दिन बाद सीज़फ़ायर लागू होने के एक दिन बाद ही ईरान ने सुरक्षा प्रतिबंध कड़ी करते हुए मोसाद से जुड़े तीन आरोपियों को फांसी पर लटका दिया और लगभग 700 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।ईरानी न्यायपालिका की आधिकारिक एजेंसी 'मिज़ान' ने बताया कि 3 पुरुषों को इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ काम करने और हत्या के लिए उपकरण तस्करी के दोषी करार देने के बाद फांसी दी गई । इसी दौरान, ईरान में राज्य समर्थित मीडिया के अनुसार लगभग 700 लोगों को इज़राइल के साथ कथित संबंधों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। ईरान और इजराइल संघर्ष में ईरान में लगभग 610 लोग मारे गए, जबकि इज़राइल में 28 की जान गई है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, क्योंकि सीज़फ़ायर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल की आवाज़ाही पर अप्रत्यक्ष असर पड़ा।

14वीं मंजिल के स्काईवाक से गिरे रिटायर्ड बैंक मैनेजर, सिर धड़ से हुआ अलग, मौके पर मौत

फरीदाबाद,25 जून 2025(ए)। फरीदाबाद के ग्रेटर फरीदाबाद इलाके की सवाना सोसायटी में बुधवार को 14वीं मंजिल पर बने एक स्काईवाक के टूटने से रिटायर बैंक मैनेजर की मौत हो गई। बुजुर्ग उस वक्त स्काईवाक में रखे गमलों में पानी डालने गए थे, तभी अचानक स्लैब टूट गया और वे नीचे गिर पड़े। मृतक कुलवंत सिंह एसबीआई बैंक से रिटायर थे, जो टी-8 टावर में रहते थे और उनके साथ परिवार के सदस्य भी थे। उनका पौधों से खास लगाव था और वे रोजाना स्काईवाक में रखे छोटे गमलों को पानी देते थे। हादसे के वक्त वे टी-आठ से टी- सात टावर की ओर पानी देने गए थे, तभी स्काईवाक का स्लैब नीचे से टूट गया। गिरने के दौरान वे पहली मंजिल पर लगे जर्जर ग्रिल से टकराए, जिससे उनकी गर्दन धड़ से अलग हो गई।

10 वीं की बोर्ड परीक्षा अब साल में दो बार होगी

सीबीएसई का बड़ा फैसला

नईदिल्ली,25 जून 2025(ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं बोर्ड परीक्षा का आयोजन साल में दो बार किए जाने वाले नियमों को मंजूरी दे दी है। साल 2026 से सीबीएसई की ओर से 10वीं बोर्ड की परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएगी। सीबीएसई एग्जाम कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने बताया कि सीबीएसई ने दो बार परीक्षाएं करवाने के मॉडल को मंजूरी दे दी है। साल में पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी परीक्षा मई महीने में आयोजित होगी। वहीं, फरवरी में होने वाली परीक्षा के नतीजे अप्रैल और मई में होने वाली परीक्षा के नतीजे जून में जारी किए जाएंगे। 10 वीं बोर्ड परीक्षा के स्टूडेंट्स को पहली परीक्षा में हिस्सा लेना अनिवार्य होगा और दूसरी बार होने वाली बोर्ड परीक्षा में इच्छा से भाग लिया जा सकता है। दूसरी बार में छात्र अपने अंकों में सुधार करने के लिए हिस्सा ले सकते हैं। नए नियमों के हिसाब से इंटर्नल असेसमेंट साल में एक ही बार किया जाएगा। सीबीएसई की ओर से फरवरी में जो ड्राफ्ट तैयार किया गया था,उसमें कहा गया था कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा के पहले चरण की परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च के बीच आयोजित हो सकती है और दूसरे चरण की परीक्षाएं 5 से 20 मई के आयोजित होंगी।

न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने जीती न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक की रेस

नई दिल्ली,25 जून 2025(ए)। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीत लिया है। 33 वर्षीय ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जिन्हें 40त्न वोट मिले, जबकि ममदानी को 50त्न मत प्राप्त हुए। कुओमो ने हार स्वीकार कर ली है। अब ममदानी नवंबर 2025 में होने वाले मुख्य चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगे। यदि वे जीते, तो न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और भारतीय-अमेरिकी मेयर बनेंगे।

चंडीगढ़ नगर निगम में अब बैलेट पेपर से नहीं,नई व्यवस्था से होंगे मेयर चुनाव

चंडीगढ़,25 जून 2025(ए)। चंडीगढ़ नगर निगम की राजनीति में 29 साल बाद बड़ा बदलाव हुआ है। अब मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव गुप्त मतदान के बजाय शो ऑफ हैंड्स (हाथ उठाकर) होगा। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को नगर निगम एक्ट में संशोधन को मंजूरी दी। यह फैसला अनिल मसीह विवाद और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बाद लिया गया। अगले मेयर चुनाव से यह नई व्यवस्था लागू होगी।

अनिल मसीह विवाद से बदली व्यवस्था

नगर निगम चंडीगढ़ (कार्यविधि और कार्य संचालन) विनियम, 1996 के विनियमन 6 में संशोधन किया गया है। पहले बैलेट पेपर से गुप्त मतदान होता था, लेकिन अनिल मसीह कांड के बाद सवाल उठा कि जब 35 पार्षद पार्टी सिंबल पर चुनकर आते हैं, तो गुप्त मतदान क्यों।

अक्टूबर 2024 में पूर्व मेयर कुलदीप कुमार के कार्यकाल में निगम हाउस ने प्रस्ताव पारित किया। सांसद मनीष तिवारी ने भी समर्थन दिया। जनवरी 2024 में कुलदीप ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने प्रशासन के निर्णय पर छोड़ दिया। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर कार्यालय ने प्रस्ताव बनाया, जिसे अब मंजूरी मिल गई।

संपादकीय

बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता बाहरी जिम्मेदार नहीं

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का कहना है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती थी मगर हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है। ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लोकतांत्रिक रोडमैप सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, भारत हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ कोई बुनियादी समस्या हो। मगर भारतीय प्रेस में आने वाली खबरों को फर्जी ठहराते हुए कहा कि हर बार चीजें गलत हो जाती हैं और लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष स्तर के नीति निर्माताओं से है। यही बात बांग्लादेश को बहुत बेचैन और क्रोधित करती है। उनका कहना है,इस क्रोध को काबू करने की कोशिश करते हैं मगर साइबर स्पेस में बहुत सारी चीजें होती रहती हैं। शेख हसीना के निष्कासन के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में तनाव आ गया। यूनुस की मांग पर कि हसीना लोगों से वैसी बातें न करें,जैसी वह ऑनलाइन अकसर करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर हसीना की गतिविधियों को नियंत्रित न कर सकने की बात की,जिसे उन्होंने विस्फोटक स्थिति बताया। इसी दरम्यान भारत सरकार ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के बांग्लादेश स्थित पैतृक निवास पर की गई तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की। यूसुफ ने बीते साल बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख का पदभार संभाला था। जनता के दबाव के बाद उन्होंने 2026 में राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा की। बेशक वे अपने मुल्क में मचे राजनीतिक घमासान और कानून-व्यवस्था से अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भटकाना चाहते हैं। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता के लिए कोई बाहरी जिम्मेदार नहीं हो सकता। भारत अपने पड़ोसियों से सकारात्मक व रचनात्मक संबंध रखने पर बारीक नजर रखता है। रही बात हसीना को राजनीतिक शरण देने की तो मामला अब अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष है। मामले की गंभीरता को समझते हुए दोनों मुल्कों को आपसी असहमतियों को दूर करने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि जब तक वहां चुनी हुई सरकार नहीं आती, तब तक कोई भी निर्णय अंतिम नहीं माना जा सकता।

नए भारत की नई कहानीः ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा,अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं,बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही,एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है,जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है,जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढने के बजाय नौकरी देने वाला बना।आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है। डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए,चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाज़ार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोजग़ार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है। हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है। भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नज़दीक पाया,और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया। इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्त्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेज़ी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन (एनटीटीएम) और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। एनटीटीएम के तहत ?510 करोड़ की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक,नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।आज भारत को विश्व व्यापार संगठन और विश्व आर्थिक मंच जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं। यह उस समर्पित प्रयास का परिणाम है,जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों, योजनाओं और नागरिकों की सहभागिता से संभव हुआ है। मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, हर भारतीय की है। हमारे सामने आज जो उपलब्धियाँ हैं, वे उस संकल्प का परिणाम हैं जिसने हर गाँव, हर परिवार और हर नागरिक को जोड़ा। भारत आज एक विकल्प नहीं, एक प्रेरणा है,आत्मनिर्भरता की, समावेशिता की और वैश्विक नेतृत्व की। जब हम अमृतकाल में विकसित भारत जी-2047 की परिकल्पना करते हैं,तो वह केवल एक सपना नहीं, एक साझा संकल्प है और मुझे विश्वास है इस संकल्प की सिद्धि का समय अब दूर नहीं।

-गिरिराज सिंह-

आपातकाल में प्रतिबंध के बावजूद और सशक्त होकर उभरा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सुशील कुमार 'नवीन', हिसार, हरियाणा

आपातकाल नाम सुनते ही शरीर में एक अलग ही झनझनाहट शुरू हो जाती है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे चर्चित और विवादित रहे आपातकाल को 50 वर्ष बीत चुके हैं। हर वर्ष जून मास आते ही घाव पुनः गहरे हो जाते है। आपातकाल के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका भी काफी प्रभावी रही है। संघ ने आपातकाल का पुरजोर विरोध किया था। हजारों कार्यकर्ताओं को प्रताड़ना सहनी पड़ी। जेल तक की यात्रा करनी पड़ी। कार्यकर्ताओं के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।
लेख की शुरुआत कठोपनिषद के एक प्रसिद्ध श्लोक से करता हूं ;

उत्तिष्ठते जाग्रते
प्राप्य वरान्निबोधत।
क्षुरस्य धारा निशिता
दुरत्यया दुर्गमपथा।

अर्थ है कि उठो,जागो और ज्ञानी पुरुषों के पास जाकर ज्ञान प्राप्त करो। ज्ञान प्राप्ति का मार्ग,छुरी की धार पर चलने के समान कठिन है। आपातकाल के दौरान संघ को प्रतिबंध तक झेलना पड़ा। इसके बावजूद संघ और सशक्त होकर नए रूप में देश के सामने आया।

आपातकाल के इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें तो कुछ बातों का पुनः स्मरण कराया जाना जरूरी हो जाता है। 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक निर्णय सुनाया था। इसमें वर्ष 1971 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली सीट से इंदिरा गांधी के सामने राज नारायण मैदान में थे। चुनाव परिणाम में इंदिरा गांधी को विजयी घोषित किया गया था। पराजित प्रत्याशी राज नारायण चुनावी प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करते हुए चुनाव में अनुचित साधन अपनाने का आरोप लगाया। उनका आरोप था कि इंदिरा गांधी ने चुनाव जीतने के लिए सरकारी मशीनरी का अनुचित उपयोग किया है। परिणाम उनके पक्ष में रहा। सरकार के विरुद्ध राजनीतिक अस्थिरता और विरोध प्रदर्शन का माहौल बना।

25 जून 1975 को तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की अनुच्छेद 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर दी। 21 मार्च 1977 तक यह लागू रहा। इस समयावधि के दौरान नागरिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया। सभी स्तर के चुनाव स्थगित कर दिए गए। सत्ता विरोधियों को बंदी बना लिया गया। प्रेस पर प्रतिबंधित लगाने के साथ साथ कुछ पत्रकार गिरफ्तार भी किए गए।
वरिष्ठ पत्रकार रहे माणिकचंद्र वाजपेयी जी ने अपनी पुस्तक आपातकालीन संघर्ष गाथा में लिखा था कि- कांग्रेस ने 20 जून, 1975 के दिन विशाल रैली का आयोजन किया। रैली में देवकांतबरुआ ने कहा था, इंदिरा तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय,तेरे काम की जय, तेरे नाम की जय और इसी जनसभा में अपने भाषण के दौरान इंदिरा गांधी ने घोषणा की कि वे प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी।

जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल का विरोध किया।

उन्होंने इसे भारतीय इतिहास की सर्वाधिक काली अवधि कहा। माणिकचंद्र वाजपेयी लिखते हैं- जयप्रकाश नारायण जी ने रामलीला मैदान पर विशाल जनसमूह के सम्मुख 25 जून, 1975 को कहा, सब विरोधी पक्षों को देश के हित के लिए एकजुट हो जाना चाहिए अन्यथा यहां तानाशाही स्थापित होगी और जनता दुखी हो जाएगी। लोक संघर्ष समिति के सचिव नानाजी देशमुख ने वहीं पर उत्साह के साथ घोषणा कर दी, को इसके बाद इंदिराजी के त्यागपत्र की मांग लेकर गांव-गांव में सभाएं की जाएंगी और राष्ट्रपति के निवास स्थान के सामने 29 जून से प्रतिदिन सत्याग्रह होगा।
एच वी शेषाद्री की पुस्तक कृतिरूप संघ दर्शन के अनुसार सभी प्रकार की संचार व्यवस्था, यथा- समाचार-पत्र-पत्रिकाओं,मंच,डाक सेवा और निर्वाचित विधान मंडलों को ठप्प कर दिया गया। प्रश्न था कि इसी स्थिति में जन आंदोलन को कौन संगठित करे? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का देश भर में शाखाओं का अपना जाल था और वही इस भूमिका को निभा सकता था। संचार माध्यमों को ठप्प करने का प्रभाव अन्य दलों पर तो पड़ा, पर संघ पर उसका प्रभाव नहीं पड़ा। अखिल भारतीय स्तर के उसके केन्द्रीय निर्णय,प्रांत,विभाग,जिला और तहसील के स्तरों से होते हुए गांव तक पहुच जाते हैं। आपात घोषणा हुई और जब तक आपातकाल चला,उस बीच संघ की यह संचार व्यवस्था सुचारू ढंग से चली। भूमिगत आंदोलन के ताने-बाने के लिए संघ कार्यकर्ताओं के घर महानतम वरदान सिद्ध हुए।

सर संघचालक बालासाहब देवरस को 30 जून को नागपुर स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पूर्व उन्होंने आह्वान किया था कि इस असाधारण परिस्थिति में स्वयंसेवकों का दायित्व है कि वे अपना संतुलन न खोयें। सर कार्यवाह माधवराव मुले तथा उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी के आदेशानुसार संघ-कार्य जारी रखें तथा यथापूर्व जनसंपर्क, जनजागृति और जनशिक्षा का कार्य करते हुए अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करने की क्षमता जनसाधारण में निर्माण करें। संघ कार्यकर्ताओं ने उनके आह्वान के अनुसार ही कार्य किया।

आपातकाल की घोषणा के कुछ दिन बाद 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध भी लगा दिया गया। लोक संघर्ष समिति द्वारा आयोजित आपातकाल विरोधी संघर्ष में एक लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने सत्याग्रह किया। बताया जाता है कि आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल एक लाख 30 हजार सत्याग्रहियों में से एक लाख से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। जो 30 हजार लोग बंदी बनाए गए, उनमें से 25 हजार से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। जानकारों के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 कार्यकर्ता बंदीगृहों और कुछ बाहर आपातकाल के दौरान बलिदान हो गए। उनमे संघ के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंग क्षीर सागर भी शामिल थे।

सत्ता पक्ष के विरुद्ध जयप्रकाश नारायण के आन्दोलन को संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जारी रखा। मोहनलाल रुस्तगी की पुस्तक आपातकालीन संघर्ष गाथा के अनुसार जयप्रकाश नारायण ने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व लोक संघर्ष समिति का आन्दोलन चलाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता नानाजी देशमुख को जिम्मेदारी सौंपी थी। जब नानाजी देशमुख गिरफ्तार हो गए तो नेतृत्व की जिम्मेदारी सुंदर सिंह भण्डारी को सौंपी गई। आपातकाल लगाने से उत्पन्न हुई परिस्थिति से देश को सचेत रखने के लिए तथा जनता का मनोबल बनाए रखने के लिए संघ के कार्यकर्ता तय किए गए। स्वयंसेवकों ने सत्ता की नीतियों के विरोध में सत्याग्रह किया।

9 अगस्त,1975 को मेरठ नगर में सत्याग्रह किया गया। 15 अगस्त,1975 को लाल किले पर जब प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान सत्याग्रहियों ने नारे लगाए और पर्चे वितरित किए। 2 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के सामने महात्मा गांधी की समाधि पर सत्याग्रह किया गया। 28 अक्टूबर, 1975 को राष्ट्रमंडल सांसदों का एक दल जब दिल्ली आया था,तब कार्यकर्ताओं ने उन्हें आपातकाल विरोधी साहित्य वितरित किया। 14 नवंबर, 1975 को प्रधानमंत्री के सामने जवाहर लाल नेहरू की समाधि के पास आपातकाल के विरोध में नारे लगाए गए। 24 नवंबर 1975 को अखिल भारतीय शिक्षक सम्मेलन में पर्चे वितरित किए और तानाशाही के विरोध में नारे लगाए। 7 दिसम्बर, 1975 को ग्वालियर में महान संगीतज्ञ तानसेन की समाधि पर सत्याग्रह किया गया। उस दिन रजत जयंती के कार्यक्रम का आयोजन था। 12 दिसम्बर, 1975 को दिल्ली में स्वामी श्रद्धानंद की मूर्ति के सामने मणिबेन पटेल के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा सत्याग्रह किया गया। बंबई की मिलों में मजदूरों द्वारा सत्याग्रह किया गया।

आपातकाल से कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ। जनता में सरकार की छवि धूमिल हुई। आक्रोश बढ़ता गया। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग करके चुनाव करवाने की अनुशंसा कर दी। चुनाव में स्वयं इंदिरा गांधी को अपने क्षेत्र रायबरेली से चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। जनता पार्टी को बहुमत प्राप्त हुआ. मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। इस प्रकार स्वतंत्रता के पश्चात प्रथम बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी। नई केंद्र सरकार ने आपातकाल के दौरान लिए गए निर्णयों की जांच के लिए शाह आयोग का गठन किया। शाह आयोग में अपनी रिपोर्ट में आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए शासन व्यवस्था को हुई हानि पर चिंता व्यक्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपातकाल का जमकर विरोध किया. इसके कारण उसे सत्ता के क्रोध का दंश झेलना पड़ा, किन्तु आपातकाल के दौरान संघ द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों ने लोगों में उसे विख्यात कर दिया. इस प्रकार लोकतंत्र की विजय घोष के साथ संघ बढ़ता गया। सोमदेव द्वारा रचित कथासरितसागर की एक प्रसिद्ध सूक्ति इसे चरितार्थ भी करती है।

अप्राप्यं नाम नेहास्ति
धीरस्य व्यवसायिनः

अर्थ है कि साहसी और मेहनती व्यक्ति के लिए कुछ भी अप्राप्य नहीं है अर्थात् जिसके पास साहस है और जो परिश्रम करता है,उसके लिए कुछ भी अप्राप्य नहीं है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस 26 जून पर विशेष

चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

नशा मुक्त भारत बनाने की बड़ी चुनौती

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम,चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।
वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना,वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना,अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा,गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।
देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।
हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

कविता
मदिरापान...

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

एक मदिरापान करने वाला
केवल मद्य ही नहीं पीता
पी जाता है घर के सुकून
बच्चों के सपने,माता-पिता के अरमान
खुद की सम्मान,इसके अलावा भी
गृह के बर्तन-भाड़ा,घर को बनाकर अखाड़ा
छीन लेता है सुख-शांति को
मिलकियत,शोहरत भांति-भांति को
जो बिखेर देता है परिवार को
भर देता है..आँसू जार-जार को
असीम-असीम कर्ज में डूबाकर
कुल-कुटुम्ब को जीवन से उबाकर
सबके जीवन को नरक बना देता है
बच्चों के भाग में कीचड़ समा देता हैं
बाप की पगड़ी जहाँ रोज उछलता है
ऐसे के संग रहना अभिशाप लगता है
जहाँ तकरार का होना आम बात है
मरने की कामना अंतिम जज्बात है।।

कविता
ज्ञान समन्दर..

घटती-घटना

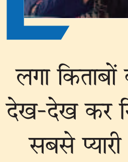

प्रिया देवांगन प्रियु
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

लगा किताबों का मेला है, ज्ञान समन्दर जैसा।
देख-देख कर सिर चकराता, है अथाह ये ऐसा।।
सबसे प्यारी भाषा लगती,राजदुलारी हिन्दी।
बात-बात पर मुँह लटकाती,नहीं लगे जब बिंदी।।
नदी पहाड़ी जंगल घाटी,सबका नाम बताते।
गोल-गोल भूगोल पढ़ें तो,चक्कर खा गिर जाते।।
कभी भाग अरु गुणा करें हम,कभी घटा कर जोड़ें।
अमरबेल सा उलझे दिनभर,माथा कितना फोड़ें।।
अपनी धाक जमा कर बैठी,अंग्रेजों की भाषा।
पढ़ ना पाओ कक्षा में तब,बनता खूब तमाशा।।
कम करवा दो बोझ हमारा,मुश्किल लगे पढ़ाई।
हम नन्हें बच्चों का जीवन,हुआ बहुत दुखदाई।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

कांग्रेस के आपातकाल ने बेटों को माता-पिता की चिता को अग्नि तक नहीं देने दी:अनिल सिंह मेजर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

25 जून आपातकाल लोकतंत्र के लिए काला दिवस पर आज भाजपा महामाया तथा समलाया मंडल ने संयुक्त रूप से संगोष्ठी का आयोजन भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आयोजित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह,भाजपा वरिष्ठ नेता करता राम गुप्ता,जिला संवाद प्रमुख संतोष दास तथा जिला सह कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मीसा बंदी रहे स्वर्गीय सरदार बालकिशन सिंह, स्वर्गीय रेवती रमण मिश्र तथा स्वर्गीय विजय पटेल के परिजनों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया।

भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि कांग्रेस ने 25 जून,1975 को देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात किया लेकिन आज भी वह अपने किए के लिए न तो माफी मांगती है और न ही पछतावा प्रकट करती है। आज संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस वही पार्टी है जिसने संविधान को सबसे पहले और सबसे गहराई से रौंदा था। उन्होंने कहा कि आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्यायपालिका से मिली चुनौती से बौखलाकर थोपा गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति की आड़ लेकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया, जबकि न उस समय कोई युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह और न ही कोई बाहरी आक्रमण हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में लोकतंत्र का ऐसा पतन हुआ कि जेलों में बंद लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार में शामिल होने तक की अनुमति नहीं दी गई और इन लोगों में वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक शामिल थे।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता,न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है,वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है,आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। श्री साव ने कहा कि आज कांग्रेस में चेहरे बदल गए हैं, लेकिन तानाशाही की प्रवृत्ति और सत्ता का लोभ जस का तस है। 50 वर्ष बाद आज आपातकाल को याद करना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि यह इतिहास की एक घटना मात्र नहीं बल्कि कांग्रेस की मानसिकता का प्रमाण भी है। राहुल गांधी ने अपनी ही केंद्र सरकार के अध्यादेश को प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाडक़र संविधान के प्रति कांग्रेस की इसी अधिनायकवादी सोच का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अपने प्रस्तावना उद्बोधन में भाजपा समलाया मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कहा कि जिस संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी थीं, उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए उन्होंने लोकतंत्र को एक झटके में तानाशाही में बदल दिया। इस अवसर पर मीसा बंदी परिवार से सोम शेखर मिश्रा, श्रीमती मधु पटेल, तथा हरमिंदर सिंह ने सम्मान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने तथा आभार प्रदर्शन तेजिंदर सिंह बग्गा ने किया।इस अवसर पर अजय सोनी, पंकज गुप्ता, अवधेश सोनकर, रविशंकर जयसवाल, भूपेंद्र सिंह, विकास सोनी, सतीश शर्मा, जतिन परमार, मार्कंडेय तिवारी, मनीष सिंह, सतीश सिंह, शैलेंद्र शर्मा, शशिकांत जायसवाल, भारत भूषण तिवारी, अजय सिंह, रवि सिंह, मनीष वर्मा, अभिमन्यु श्रीवास्तव, शंभू सोनी, मनीष बारी, गौतम विश्वकर्मा, सूरज मंडल, अर्चना सिंह, इंदु गुप्ता, आरती सोनी, बबली नेताम, प्रियंका चौबे, प्रिया सिंह, शुभांगी बिहाडे, रश्मि जायसवाल, प्रभा सिंह देव, नीलम राजवाड़े, शरद सिन्हा, विकास शुक्ला, अंकित तिर्की, हर्ष जायसवाल तथा दीपक सोनी सहित अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैंक ने ज्वेलरी शॉप व होटल को किया सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

बैंक व जिला प्रशासन की टीम ने शहर के गुदरी चौक स्थित ज्वेलरी शॉप व होटल को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि बैंक द्वारा बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भी संचालक द्वारा लोन की राशि जाम नहीं किए जाने पर कार्रवाई की गई है।

शहर के गुदरी चौक के पास हरिओम ज्वेलर्स व होटल माउंटेन है। दोनों का संचालक एक ही है। संचालक ने वर्ष 2019 में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से हॉटल निर्माण और व्यवसाय करने लिया 3 करोड रुपए लोन लिया था। कोविड काल के दौरान ज्वेलरी शॉप व हॉटल के संचालक ने बैंक का ईएमआई का भुगान नहीं किया था। बैंक द्वारा बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भी संचालक द्वारा लोन की राशि का भुगातन नहीं किया जा रहा था। इस स्थिति में बैंक प्रबंधन ने लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपए वन टाइम सेटलमेंट करने संचालक को मौका दिया था। इसके बावजूद भी संचालक द्वारा सेटलमेंट नहीं किया गया। इसके बावजूद भी बैंक द्वारा नोटिस दी गई थी। इसके बाद बुधवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने जिला प्रशासन व पुलिस बल की उपस्थिति में ज्वेलरी दुकान व होटल को सील कर दिया है।

नव प्रवेशी बच्चों की तिलक लगाकर कराया गया शाला प्रवेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय प्रथमिक विद्यालय मायापुर में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद बाबर इदरीश उपस्थित रहे। पार्षद व विद्यालय के प्रधान पाठक अलका अग्रवाल ने नव प्रवेशी बच्चों की तिलक लगाकर तथा मीठा खिलाकर शाला प्रवेश कराया। इस दौरान बच्चों को पाठ्य पुस्तक व गणवेश का वितरण किया गया। इस दौरान बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बिलाल अंसारी,वंदना गुप्ता,नीलू सिंह, सोनम दुबे और वार्डवासी उपस्थित थे।

खाद नहीं मिलने पर किसानों ने धौरपुर एसडीएम कार्यालय का किया घेराव

- संवाददाता -
लुण्ड्रा,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

जिले में धान की खेती का कार्य जोर पकड़ा हुआ है। किसान खेतों की जुताई व धान के बीज को अंकूरत करने का कार्य कर रहे हैं। वहीं खेतों में डालने के लिए किसानों को डीएपी खाद की आवश्यकता पड़ रही है। जो सोसायटी के माध्यम से किसानों को समय पर व आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। इससे किसानों में नाराजगी देखी जा रही है। बुधवार को धौरपुर के किसान समिति में खाद लेने पहुंचे थे। पर खाद का भंडारण सोसायटी में नहीं होने के कारण किसान ओक्रोशित हो गए और किसानों ने सोसायटी से निकलकर एसडीएम कार्यालय का घेराव कर दिया। खाद की किल्लत से सरगुजा के किसान जूझ रहे हैं। समय पर खाद नहीं मिलने से किसानों में आक्रोश है। आक्रोशित किसानों ने धरना प्रदर्शन करने पर मजदूर हैं। बुधवार को खाद नहीं मिलने पर किसानों ने धौरपुर एसडीएम कार्यालर्य का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। इससे पूर्व सेदम के किसानों ने चक्काजामा किया था।

जाली नोट खपाने के मामले में आरोपी को कठोर कारवास की सजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2025 (घटती-घटना)।

जाली नोट खपाने के मामले में आरोपी को न्यायालय ने 5 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी 14 मई 2024 को मुख्य डाक घर में अपने खाते में 1 लाख रुपए के साथ पांच-पांच सौ के जाली 58 नोट कुल 29 हजार रुपए खपाने के लिए कैश काउंटर पर दिया था।

जानकारी के अनुसार कपील गिरी पिता झंकर गिरी उम्र 46 वर्ष ग्राम तुरीयाबीरा थाना लुण्ड्रा का रहने वाला है। इसका अंबिकापुर मुख्य डाकघर में बचत खाता है। वह 14 मई 2024 को अपने खाते में 1 लाख रुपए जमा करने आया था। कपील पर्ची भर कर रुपए के साथ काउंटर पर जमाकरने के लिए दिया। इस दौरान काउंटर ड्यूटी पर पदस्थपीए नीलमणी केरकेट्टा ने रुपए की गिनती की तो 500-500 के 58 कुल 29 हजार रुपए नकली पाए गए। कैशियर ने मामले की जानकारी पोस्टमास्टर मनोज कुमार पांडेय को दी। पोस्टमास्टर ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 489 ख एवं 489 ग के तहत गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। मामले की सुनवाई न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनआईए अंबिकापुर पीठासीन अधिकारी केएल चरयाणी के यहां चल रही थी। 25 जून को साक्ष्य व गवाहों के आधार पर आरोपी के खिलाफ दोषसिद्ध पाए जाने पर 5 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

पुत्र को खोजकर लौटे पिता की संदेहास्पद मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम बरबसपुर निवासी युवक की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक देवशरण देवांगन पिता स्व. बहबल देवांगन 35 वर्ष का छोटा पुत्र, मंगलवार को कही गया था जो काफी देर तक घर नहीं लौटा। चिंतित पिता उसे खोजने के लिए गया, इस बीच उसका पुत्र वापस घर आ गया था। पुत्र के नहीं मिलने पर उसका पिता भी कुछ देर बाद घर आने के बाद बिना किसी से कुछ बात किए एक कमरे में जाकर सो गया। घर वालों ने जब शांत अवस्था में देवशरण को देखा तो वे कुछ समझ नहीं पाए। आवाज लगाने पर किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। उन्हें अचेत अवस्था में देखकर स्वजन श्रीनगर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। मामले में फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

चोरी के मामले में दो आरोपी सहित खरीदार गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025 (घटती-घटना)।

चोरी के मामले में मणिपुर पुलिस ने 2 चोर व 1 खरीदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार शांता गढ़ावा मणिपुर थाना क्षेत्र के बाबूपारा गौरवपथ का रहने वाला है। वह परिवार के साथ कप प्लट बेचने का काम करता है। 14 जून की रात को घर में ताला बंदकर कप प्लेट बेचने ओड़िशा मेला में गया था। 20 जून को वापस आया तो घर का ताला टूटा था और घर के अंदर से बुलेट बाइक व सोने चांदी के जेवरात नहीं थे। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की दो युवक गांधीनगर में बुलेट बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने चोरी की बुलेट को अपने किराए के मकान गांधीनगर में छुपाकर रखना बताया। पुलिस ने दबिशत देकर चोरी की बुलेट, सोने चांदी का जेवरात व एक अन्य बाइक बरामद किया। पुलिस ने आरोपी साकिर अंसारी पिता सत्तार अंसारी उम्र 22 वर्ष निवासी कुसमी बलरामपुर हाल मुकाम भगवानपुर थाना गाधीनगर व प्रकाश पनिका पिता पप्पू पनिका उम्र 24 वर्ष निवासी बैकुण्ठपुर धौराटिकरा थाना बैकुण्ठपुर हाल मुकाम भगवानपुर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की तो 14 जून को भगवानपुर स्थित दास कॉलोनी स्थित एक घर का ताला तोडक़र बाइक चोरी करना बताया। आरोपियों ने उसी बाइक से जाकर 19 जून की रात को बाबूपारा में सूने मकान का ताला तोडक़र बुलेट व जेवरात चोरी किए थे। वहीं आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 22 जून को कुसमी से अंबिकापुर आते समय शंकरगढ़ के पास से बाइक चोरी किया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने अपने सहयोगी झारखंड के गढ़वा निवासी प्रिंस सोनी से मिलकर बाइक व चार नग सोने का कंगन बेचना बताया। आरोपियों के निशनदेही पर पुलिस ने खरीदार प्रिंस सोनी उर्फ मोहन सोनी पिता सुरेश प्रसाद सोनी उम्र 30 वर्ष टंडवा गढ़वा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी के दोनों आरोपी व खरीदार के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, सहायक उप निरीक्षक अनिल पांडे, सहायक उप निरीक्षक शौकी लाल राज, आरक्षक उमाशंकर साहू, कुश सोनी,अनिल सिंह,थाना गांधीनगर से महिला प्रधान आरक्षक मेविश ज्योत्सना खाखा,आरक्षक बृजेश राय, सत्यम सिंह, साइबर सेल से आरक्षक विकास मिश्रा, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

अज्ञात कारणों से युवक फांसी लगाकर किया खुदकुशी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2025 (घटती-घटना)।

बिलासपुर चैक निवासी अविनाश सोनी पिता स्व. दीपक सोनी 18 वर्ष,मंगलवार की शाम को अज्ञात कारणों से घर के छत में फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मृतक नशेड़ी प्रवृत्ति का था। स्वजन की नजर फांसी पर लटके अविनाश पर पड़ी और वे उसे फांसी से उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे,यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

अदाणी फाउंडेशन की पहल पर छत्तीसगढ़ में चार दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

» अदाणी समूह के चेयरमैन श्री गौतम अडाणी के जन्मदिवस पर 2800 से अधिक यूनिट रक्तदान,37,000 से ज्यादा पौधों का रोपण

- संवाददाता -
रायपुर,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

अदाणी फाउंडेशन की सामाजिक सरोकार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, छत्तीसगढ़ के सात जिलों में 20 से 24 जून तक चार दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह पहल अदाणी समूह के चेयरमैन श्री गौतम अदाणी के 63वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में की गई, जिसे अदाणी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह आयोजन समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सेवा भावना से प्रेरित था।

रक्तदान अभियान के दौरान रायपुर, बिलासपुर,सरगुजा,रायगढ़,कोरबा, बलोदाबाजार और दुर्ग जिलों में समूह के अधिकारियों,कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने मिलकर कुल 2,846 यूनिट रक्तदान किया।

अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज द्वारा सरगुजा में न केवल 269 यूनिट रक्तदान किया गया,बल्कि स्थानीय जैव विविधता को सहेजते हुए 37,150 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया गया। रायगढ़ की गारेपेल्मा-3 परियोजना में 140 यूनिट से अधिक रक्तदान किया गया। इसके अलावा

अदाणी पॉवर लिमिटेड रायपुरः 824 यूनिट, रायगढ़-499 यूनिट, कोरबा-655 यूनिट

अदाणी सीमेंट लिमिटेडः अंबुजा सीमेंट, भाटापारा- 149 यूनिट, एसीसी सीमेंट, जामुल- 308 यूनिट

सभी रक्त यूनिट संबंधित जिलों की रेड क्रॉस सोसाइटी और राजकीय अस्पतालों को प्रदान किए गए।

इस उपलक्ष्य पर रायपुर स्थित अदाणी समूह के राज्य कार्यालय द्वारा राम मंदिर, वीआईपी रोड में सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गौरतलब है कि अदाणी समूह ने देशभर में एक विशाल रक्तदान अभियान का आयोजन किया है,जो 21 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 206 शहरों में आयोजित किया गया। इस अभियान ने इस बार 27661 यूनिट (लगभग 11,100 लीटर) रक्त एकत्र किया। यह पहल अदाणी हेल्थकेयर टीम के नेतृत्व में संचालित की गई। इस रक्त संग्रह से 83000 से अधिक मरीजों को लाभ मिलने की संभावना है,क्योंकि इससे संपूर्ण रक्त, पीसीवी, प्लेटलेट कंसंट्रेट्स, प्लाज़्मा, एफएफपी,क्रायोप्रेसिपिटेट और एल्ब्यूमिन जैसे कई जीवनरक्षक रक्त घटकों की आपूर्ति संभव होगी।

अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा,मैं हमारे अदाणी परिवार का दिल से धन्यवाद् करती हूँ, जिन्होंने आगे आकर इस सेवा कार्य को सार्थक बनाया। आपकी उदारता अनगिनत जीवनों को छूएगी।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह अनुसार, रक्तदान की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित है, इसमें केवल 350-400 मिलीलीटर रक्त लिया जाता है, और शरीर कुछ ही समय में इसकी पूर्ति कर लेता है। 18 से 60 वर्ष की उम्र का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।

छत्तीसगढ़ में अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सतत आजीविका और सामुदायिक विकास जैसे अनेक क्षेत्रों में सतत रूप से कार्य किया जा रहा है। श्री गौतम अदाणी की दूरदृष्टि और सेवा भाव से प्रेरित होकर, समूह का प्रयास है कि ऐसे सामाजिक उपक्रमों से न केवल स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण हो, बल्कि एक समावेशी और समृद्ध भारत की नींव भी मजबूत हो।

राजपुर हरीतिमा नर्सरी में वन विभाग के द्वारा रखी गई थी कार्यशाला

» विभाग ने दी शासन के द्वारा किसानों को आय दुगनी करने जानकारी.

- संवाददाता -
राजपुर,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

राजपुर स्थित हरीतिमा नर्सरी में बलरामपुर जिला के वन विभाग के डीएफओ के निर्देश पर उक्त कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक एवं नगर पंचायत के अलावा जिला भाजपा महामंत्री एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष संजय सिंह व अन्य भाजपा नेता की उपस्थिति में एकदिवसीय कार्यशाला में विभागीय अधिकारी एवं समरी क्षेत्र के विधायक के द्वारा

किसानों को आय बढ़ाने की नई पहल कर जानकारी देते हुए किसान वृक्ष मित्र योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा 5 एकड़ तक 100त्र अनुदान किसानों को मिलेगा

डी एफओ आलोक बाजपेयी के द्वारा किसानो को बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने और काष्ठ आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत किसानों को वाणिज्यिक पेड़ों के रोपण के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जाएगी।

योजना में सागौन,बांस,गम्हार और क्लोनल नीलगिरी जैसे व्यावसायिक महत्व के पौधों का रोपण किया जाएगा। एक पेड़ मां के नाम पर क्षेत्रीय विधायिका उदेश्वरी पैकरा, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व जन प्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। वही नगर पंचायत के सेमरा-बकसपुर बाड़ी में वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी ने पहुंचकर किसानों, वन विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी ने कहा कि सरकार पांच एकड़ तक की भूमि पर 100 प्रतिशत और इससे अधिक भूमि पर 50 प्रतिशत तक का अनुदान देगी। किसानों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। अनुदान की राशि सीधे खाते में आएगी। वन विभाग की देखरेख में संचालित इस योजना में सभी भूमि स्वामी,सरकारी संस्थाएं, पंचायतें और निजी शिक्षण संस्थाएं भाग ले सकती हैं। अनुदान की राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में स्थानांतरित की जाएगी।

क्षेत्रीय विधायिका उदेश्वरी पैकरा ने कहा कि किसान वृक्ष मित्र योजना का मतलब है किसानों के पास मौजूद पेड़-पौधों की संपत्ति। यह योजना किसानों को उनकी निजी भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे उनकी आय बढ़े और पर्यावरण को भी लाभ हो।

उप वन मंडलाधिकारी आरएसएल श्रीवास्तव ने कहा कि किसान वृक्ष मित्र योजना एक व्यापक अवधारणा है जिसमें किसानों के पास मौजूद पेड़-पौधे, जंगल, और वाणिज्यिक वृक्षारोपण शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान वृक्ष मित्र योजना एक ऐसी पहल है जो किसानों को उनकी निजी भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

वन परिक्षेत्राधिकारी महाजन लाल साहू ने कहा कि वृक्षारोपण से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है,जैसे कि लकड़ी, फल, या अन्य वन उपज से, वृक्षारोपण से पर्यावरण को कई लाभ होते हैं,जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण, मिट्टी का संरक्षण, और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करना

इस दौरान बलरामपुर उप मंडलाधिकारी संतोष पांडेय, वाड्रफनगर उप मंडलाधिकारी अनिल सिंह पैकरा,बलरामपुर वन मंडल के समस्त रेंजर,डिप्टी रेंजर, भाजपा कार्यकर्ता,जनप्रतिनिधि, किसान सहित वन विभाग के स्टाफगण उपस्थित थे।

सरगुजा पुलिस के सार्थक प्रयास से 107 परिवारों मे वापस लौटी खुशियाँ, गुम इंसानों के परिवार अपनों कों बीच पाकर हुए गदगद

» वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा गुम इंसान के मामलो मे गंभीरतापूर्वक की जा रही कार्यवाही।

» अभियान के तहत गुम इंसान के परिजनो से संपर्क कर एवं तकनिकी दक्षता का उपयोग कर कुल 107 गुम इंसान किये गए दस्तयाब।

» अभियान के तहत 82 महिला एवं 25 पुरुष गुम इंसानो कों पुलिस टीम द्वारा खोज निकालकर परिजनों कों सौपा गया।

» थाना अंबिकापुर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा सार्वधिक 21 गुम इंसानो कों किया गया बरामद।

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर के दिशा निर्देशन मे गुम इंसानो की तलाश हेतु ऑपरेशन तलाश अभियान की शुरुवात 1 जून से किया गया है जो पुरे जून महीने तक चलेगा, अभियान कों संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा जिले के अधीनस्थ थाना/चौकी प्रभारियों कों ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत अधिक से अधिक संख्या मे गुम इंसानो की पता तलाश कर दस्तायाब कर परिजनों कों सुपुर्द किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे।

दिशा निर्देशों के परिपालन मे जिले की पुलिस टीम द्वारा 01 जून से 25 जून तक की स्थिति मे 107 गुम इंसानो कों खोज निकाला है, जिसमे 82 महिला एवं 25 पुरुष शामिल है, सभी गुम इंसानो कों उनके परिजनों कों सुपुर्द किया गया है, सरगुजा पुलिस के अभूतपूर्व प्रयास से 107 परिवारों मे वापस खुशियाँ लौटी है, गुमशुदा व्यक्तियों के परिजन अपनों कों अपने बीच पाकर भावविभोर है, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे थाना अंबिकापुर कोतवाली द्वारा 21 गुम इंसान, थाना गांधीनगर द्वारा 05 गुम इंसान, थाना सीतापुर द्वारा 10 गुम इंसान, थाना लखनपुर द्वारा 17 गुम इंसान, थाना उदयपुर द्वारा 06 गुम इंसान, थाना बतौली द्वारा 08 गुम इंसान, थाना दरिमा द्वारा 12 गुम इंसान, थाना कमलेश्वरपुर द्वारा 03 गुम इंसान, थाना मणिपुर से 16 गुम इंसान, थाना लुन्ड्रा से 08 गुम इंसान, थाना धौरपुर से 01 गुम इंसान बरामद किये गए है, थाना कोतवाली अंबिकापुर पुलिस टीम द्वारा अभी तक 21 सार्वधिक गुम इंसानो की दस्तायाबी की गई है।

अभियान के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा गुम इंसानो के परिजन से संपर्क कर जानकारी लेकर एवं तकनीकी दक्षता का उपयोग करते हुए गुम इंसानों को सकुशल दस्तायाब किया है, ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत गुम इंसानो की दस्तयाबी के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाया जा रहा है जो पुरे जून माह तक चलेगा जिसमे और अधिक संख्या मे गुम इंसान दस्तायाब किये जाएंगे।

बलरामपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता .

पुलिस ने राजस्थान से दो डोडा तस्करो को कीया गिरफ्तार

» उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ बोर्डर की सीमा से 14 क्विंटल डोडा किया गया था जब्त

- संवाददाता -
बलरामपुर, 25 जून 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी, और एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव के मार्गदर्शन में की गई सतत निगरानी और अभियान के फलस्वरूप बलरामपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूर्व में उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा में खड़ी संदिग्ध ट्रक से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडा जब्त किया था। पुलिस लगातार आरोपियों के तलाश में जुटी हुई थी।

जानकारी के अनुसार 8 जून को बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धनवार आरटीओ बेरियर के पास एक संदिग्ध ट्रक खड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें 90 बोरियों में कुल 14 क्विंटल 44 किलोग्राम डोडा पाया गया। जब्त मादक पदार्थ की बाजार कीमत लगभग रू.1.30 करोड़ आंकी गई है।

पुलिस की मौजूदगी से भयभीत होकर तस्कर ट्रक छोड़कर फरार हो गए थे। विवेचना के दौरान ट्रक का रिकॉर्ड आरटीओ से प्राप्त कर एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक विशेष टीम को राजस्थान भेजा गया। पुलिस ने आरोपी राजू सिंह, वाहन स्वामी, निवासी ग्राम हरिपुरा, थाना ओसिया, जोधपुर और दीपाराम, ट्रक चालक, निवासी ग्राम बटवासिया, थाना ओसिया, जोधपुर को राजस्थान से गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने घटना में संलिप्तता स्वीकार की है और इससे पहले भी 4 बार डोडा की तस्करी करना बताया। दोनों के खिलाफ NDPS Act की धाराएं 15(सी), 25, 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आगे की जांच जारी है।

संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी बसंतपुर जितेंद्र सोनी, उपनिरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत, उपनिरीक्षक नरेंद्र तिवारी, आरक्षक ताराचंद, संतोष गुप्ता, संजय मारकंडे, अनिल पडवार, एवं साइबर सेल बलरामपुर के आरक्षक राजकमल सैनी और मंगल सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समिति प्रभारी को निलंबित करने कलेक्टर ने दिया आदेश

» समिति प्रबंधक एवं शाखा प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस

» कलेक्टर ने किया खाद बीज वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज दरिमा,कमलेश्वरपुर और नर्मदापुर स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित के खाद बीज वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यूरिया,इफको,डीएपी,पोटाश और धान बीज की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली।

कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर और पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर किसान तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण के दौरान नर्मदापुर समिति प्रबंधक एवं कमलेश्वरपुर के शाखा प्रबंधक की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई और दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नर्मदापुर के समिति प्रभारी को खाद बीज वितरण पर अनियमितता पाए जाने पर निलंबित करने के निर्देश डेप्युटी रजिस्टार कोऑपरेटिव सोसाइटी अंबिकापुर को दिए।

कलेक्टर ने कहा कि खेती किसानी के इस महत्वपूर्ण समय में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद बीज वितरण की पूरी प्रक्रिया नियमित और सुचारु रूप से संचालित की जाए,ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि लापरवाही स्वीकार नहीं कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल तथा सीसीबी नोडल अधिकारी श्री पी सी गुप्ता भी मौजूद थे।

नापतोल विभाग अंबिकापुर ने उधार के बरामदे और कुर्सी में लगाया शिविर

- संवाददाता -
लखनपुर,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर मैं नापतोल विभाग की बड़ी लापरवाही देखने को मिली बगैर लोगों को सूचना दिए इलाके में नापतोल विभाग के द्वारा एक शिविर का आयोजन किया गया जोश सिर्फ एक खानापूर्ति साबित हुई इस शीवीर का किसी को लाभ नहीं मिल सका,दरअसल आज नापतोल विभाग के द्वारा लखनपुर में शिविर का आयोजन किया गया लेकिन शिविर गुप्त तरीके से लगाई गई

ताकि दुकानदारों को इस शिविर के संबंध में जानकारी भी नहीं लग सके है। नापतोल विभाग द्वारा लगाए गए सिविर का लाभ लखनपुर क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल सका। जब नापतोल विभाग के इंस्पेक्टर सुजान सिंह कंवर से शिविर के संबंध में पूछा तो उनके द्वारा गोलमोल जवाब जवाब देते हुए कहा कि पोस्ट ऑफिस स्कूल के पास प्रत्येक वर्ष सिविर लगाया जाता है।अब तक 42 व्यापारियों के मशीनों का सत्यापन किया गया है। मशीन सत्यापन करने के दौरान हुए का फोटो मांगा गया तो फोटो नहीं होने की बात कही। दुकानदारों और स्थानीय लोगों से बातचीत की तो उनके द्वारा शिविर की जानकारी

नहीं होना बताया गया कहीं ना कहीं नापतोल विभाग के द्वारा शिविर के नाम पर खानापूर्ति कर शासकीय राशि का बंदरबांट किया जाता है। यही नहीं छत्तीसगढ़ शासन विधिक माप विज्ञान नापतोल विभाग के सत्यापन नोटिस में 2 दिन बाद 27 6 2025 का जिक्र किया गया है। जबकि शिविर 25 जून को ही कर दिया गया है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जनभागीदारी एवं लाभ संतृप्ति शिविरों का हो रहा है आयोजन

कोरिया जिले में जनजातीय समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ,कलेक्टर कोरिया

17 शासकीय विभागों के 25 महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित करने का है यह अभियान,भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जारी है अभियान,अभियान के लिए जागरूकता शिविरों का भी हो रहा आयोजन

89768 जनजातीय समुदाय के लोगों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य

बता दें कि जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य के 32 जिलों को इस अभियान में शामिल किया है जिसमें प्रदेशभर के 6691 ग्राम इस अभियान से जुड़ेंगे और इन ग्रामों में निवासरत जनजातीय समुदाय के लोग 17 शासकीय विभागों के 25 विभागीय योजनाओं से लाभान्वित होंगे,इस दौरान प्रदेश के लगभग 50 लाख जनजातीय समुदाय के लोग सीधे लाभान्वित किए जाएंगे,इस अभियान के अंतर्गत कोरिया जिले को भी शामिल किया गया है जहां जिले के 154 ग्रामों के 89768 जनजातीय समुदाय के लोगों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य है। कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जनभागीदारी सह लाभ संतृप्ति अभियान अंतर्गत शिवरों का आयोजन चयनित ग्रामों में 15 जून से प्रारंभ है और जिले की कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी इस अभियान को लेकर काफी सजग हैं काफी गंभीर हैं।

अभियान का उद्देश्य

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जनभागीदारी सह लाभ संतृप्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदाय के लोगों को संपूर्ण रूप से उन शासकीय योजनाओं से संतृप्त करना है जो भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अभियान के लिए निर्धारित 17 विभागों की 25 शासकीय जनकल्याणकारी योजनाएं हैं। इस अभियान में ग्राम चयन का आधार आदिवासी समुदाय की बाहुल्यता है और जिन ग्रामों की जनसंख्या 500 से या उससे अधिक है या कम से कम जिस ग्राम की 50 प्रतिशत आबादी जनजातीय समुदाय की है वह ग्राम अभियान के लिए लक्ष्य हैं। इस अभियान के तहत जनजातीय समुदाय बाहुल्य ग्रामों के जनजातीय समुदाय के लोगों की विभिन्न शासकीय योजनाओं से दूरी ज्ञात की जा रही है वहीं उस दूरी या कमी को दूर करने का प्रयास करना लक्ष्य है,यह कमी(गैप) पूर्ण रूप से दूर करना ही अभियान का अंतिम उद्देश्य है।

प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान का हुआ शुभारंभ-

दिनांक 15 जून 2025 से 15 जुलाई 2025 तक जारी इस अभियान के लिए प्रचार रथ की भी रवानगी की गई,जिले के विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर कई प्रचार रथ तैयार किए गए और जिसके द्वारा शासन की उन योजनाओं को प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया जो धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जनजातीय समुदाय के लोगों को लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से चयनित हैं। प्रचार रथ, कलेक्टर कोरिया चंदन संजय त्रिपाठी,जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,विधायक प्रतिनिधि भरतपुर सोनहत राम प्रताप मरावी द्वारा जिला कार्यालय के समक्ष से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और इस समय जिले के विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। प्रचार रथ लगातार जिले में अभियान के संबंध में जनजागरुकता लाने का प्रयास कर रहा और जिसके माध्यम से जनजातीय समुदाय के लोगों को शिविरों तक लाने का भी प्रयास जारी है। प्रचार रथ से अभियान मामले में अवगत होकर लोग अभियान से जुड़ने सामने आ रहे हैं और प्रचार रथ की सार्थकता सामने नजर आ रही है। प्रचार रथ जिले के उन चयनित ग्रामों तक लगातार पहुंच रहा है जिन ग्रामों का चयन अभियान के लिए किया गया है। यह अभियान सफल हो प्रचार रथ इसमें अहम भूमिका निभा रहा है।

चित्रकला, रंगोली, वाल पेंटिंग, के माध्यम से प्रचार प्रसार को मिल रही गति,अभियान को बनाया जा रहा है उत्साहजनक-

अभियान को उत्साहजनक बनाने के लिए विभिन्न आयोजन भी शिविर स्थल पर किए जा रहे हैं, शिविरों में अभियान के विषय पर आधारित रंगोली,चित्रकला,वॉलपेंटिंग का भी कार्य कराया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों की सहभागिता उपस्थित लोगों के साथ देखी जा रही है,विभिन्न स्थानीय व्यंजनों को भी बनाकर शिविरों में प्रदर्शित किया जा रहा है वहीं जनजातीय समुदाय की संस्कृति से जुड़ी विभिन्न दैनिक उपयोग की वस्तुओं का भी प्रदर्शन शिविरों में किया जा रहा है जो शिविर के समय लोगों के लिए उत्सुकता और उत्साह का विषय बन रहे हैं।

-संवाददाता-
कोरिया,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश के अनुक्रम में कोरिया जिले में भी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जनभागीदारी अभियान एवम लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन दिनांक 15 जून से 15 जुलाई के बीच किया जा रहा है और जिसके लिए जिले की कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने सभी विभाग प्रमुखों को विभागीय अमले के साथ गंभीरता से शिविर के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निर्देशित किया है और जिसका असर भी नजर आ रहा है और लगातार जिले के विभिन्न जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन हो रहा है जहां जनजातीय समुदाय के लोग भाग ले रहे हैं और वह शासकीय योजनाओं से जुड़ने लाभ लेने आगे आ रहे हैं। कलेक्टर कोरिया ने इस संबंध में सभी संबंधित विभाग प्रमुखों सहित जमीनी स्तर के क्रियान्वयन इकाइयों को अभियान के दौरान सक्रिय रहने का निर्देश जारी किया है और उन्होंने कहा है कि अभियान का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब जिला प्रशासन अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा, जिला कलेक्टर ने घर घर संपर्क मुनादी और विभिन्न सोशल मीडिया प्रचार माध्यमों से इस अभियान को गति देने इसके उद्देश्यों से जनजातीय समुदाय के लोगों को अवगत कराने सतत प्रत्यतनशील रहने भी सभी को निर्देशित किया है जिससे भारत सरकार का यह अभियान अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त कर सके। अभियान के दौरान जिला स्तरीय शिविरों,घर घर संपर्क तो विभागों के लिए प्रयास का विषय रहेंगे ही वहीं कलेक्टर कोरिया ने यह भी निर्देश दिया है कि इस अभियान के दौरान अधिक से अधिक जनजातीय समुदाय के लोग उन शासकीय योजनाओं से संतृप्ति भी प्राप्त कर सकें जो योजनाएं जल्द ही लाभ प्रदान करने योग्य हों। जिले में अब तक 100 की संख्या के करीब ग्राम स्तरीय शिविरों का आयोजन हो चुका है जिसमें शासकीय विभागों द्वारा विभिन्न शासकीय विभागीय योजनाओं से जनजातीय समुदाय के लोगों को अवगत भी कराया जा चुका है वहीं उन्हें कुछ मामलों में संतृप्त भी किया जा चुका है। अभियान की सफलता और उसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समय समय पर समीक्षा बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं जिसमें कलेक्टर कोरिया प्रतिदिन की समीक्षा कर रही हैं।

घर-घर पहुंचकर लाभ संतृप्ति प्रदान करने जिला प्रशासन कोरिया संकल्पित, कलेक्टर कोरिया ने अभियान के लिए जारी किया संदेश

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनभागीदारी सह लाभ संतृप्ति अभियान 15 जून से 15 जुलाई 2025 के बेहतर क्रियान्वयन और जिले के जनजातीय समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक अभियान के उद्देश्यों का प्रसार सहित उसका लाभ पहुंचाना 17 विभागों की 25 योजनाओं से लाभान्वित करना जिला प्रशासन कोरिया का संकल्प है यह जिले के कलेक्टर ने बताया, उन्होंने कहा कि अभियान अब घर घर तक पहुंचाया जाएगा और जिसके लिए सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। अभियान का उद्देश्य शत प्रतिशत पूर्ण करना और अंतिम व्यक्ति के अभियान अंतर्गत शामिल योजनाओं संबंधी आभाव का पता लगाते हुए उसका निराकरण करना जिला प्रशासन का सार्थक प्रयास होगा। उन्होंने ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधियों सहित जिले वासियों का भी आह्वान किया है और उन्हें योजना से जोड़ने और जुड़ने के लिए तत्पर रहने कहा है। अभियान तभी सफल होगा जब ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधि आगे आयेंगे उन्होंने यह भी बताया, अभियान को लेकर कलेक्टर कोरिया काफी सजग और गंभीर नजर आ रही हैं और उन्होंने सभी संबंधित विभागों से अभियान को गंभीरता से लेते हुए इसे सफलता तक पहुंचाने का निर्देश दिया है।

योजनाएं जो अभियान अंतर्गत लाभ संतृप्ति उद्देश्य के लिए हैं चयनित

अभियान अंतर्गत जिन शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाना है उनमें 17 शासकीय विभागों की 25 प्रमुख योजनाएं शामिल हैं जिनका लाभ जनजातीय समुदाय के लोगों को त्वरित से लेकर समयानुसार प्रदान किया जाना है। अभियान में शामिल योजनाओं में आधार कार्ड,आयुष्मान कार्ड,किसान क्रेडिट कार्ड,जनधन खाता,पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम उज्ज्वला योजना,पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना,पीएम विश्वकर्मा,पीएम मातृ वंदन योजना,सिकल सेल परीक्षण,तपेदिक के लिए सक्रिय मामलों का पता लगाना, जाती प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, अधिवास प्रमाण पत्र, मिशन इंद्रधनुष, एमजीएनआरजिए, मुद्रा योजना, वन धन योजना, पोषण अभियान, स्टैंड अप इंडिया योजना, विधवा, निराश्रित, दिव्यांग पेंशन, जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं में से अभियान के दौरान उन योजनाओं का लाभ तत्काल प्रदान किए जाने का प्रयास जिला प्रशासन कोरिया द्वारा कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर किया जा रहा है जो तत्काल लाभ प्रदान की जा सकने वाली योजनाएं हैं वहीं उन योजनाओं के लिए भी तत्काल आवश्यक तैयारियों और प्रस्ताव सहित क्रियान्वयन की कोशिश जिला प्रशासन कोरिया कर रहा है जो जल्द पूरी की जा सकने वाली योजनाएं हैं। जिला प्रशासन कोरिया पूरी सक्रियता से इस अभियान में जुड़कर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने प्रयासरत नजर आ रहा है।

अभियान के दौरान कुडेली ग्राम पंचायत के बासन ग्राम पहुंची कलेक्टर कोरिया,अभियान के विषय से उपस्थित लोगों को कराया अवगत

अभियान के दौरान जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कुडेली के ग्राम बासन पहुंची जिले की कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, ग्राम बासन में दिनांक 23 जून 2025 को बड़े शिविर का आयोजन जिला कलेक्टर के निर्देश पर किया गया था, बासन ग्राम में जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच कलेक्टर कोरिया ने सर्वप्रथम विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया और शिविर के दौरान लाभ संतृप्ति संबधी प्रगति की जानकारी प्राप्त की, विभिन्न स्टालों के निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर कोरिया ने जन संवाद भी किया और जिले में चलाए जा रहे लाभ संतृप्ति शिविरों के उद्देश्य से लोगों को अवगत कराया और योजनाओं का लाभ लेने लोगों का आह्वान किया, इस दौरान उन्होंने जिले में जारी जल संरक्षण अभियान का भी उद्देश्य बताया और जल संरक्षण क्यों आवश्यक है भविष्य के लिए इस विषय पर लोगों से चर्चा उन्होंने की, शिविर में स्कूली छात्रों को शिविर दिवस ही बनाए गए जाती प्रमाण पत्र की प्रदानता की,हितग्राहियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में बनाए गए आयुष्मान कार्ड का भी वितरण कलेक्टर कोरिया ने शिविर में ही किया, वृक्षारोपण कर शिविर का समापन किया गया। बासन ग्राम का शिविर अभियान के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ जहां प्रदान किए गए कई त्वरित विभागीय लाभों से जनजातीय समुदाय के लोग लाभान्वित हो सके। कलेक्टर कोरिया जिले में आयोजित अभियान शिविरों की सतत् निगरानी भी कर रही हैं,विभागीय योजनाओं का लाभ जनजातीय समुदाय तक पहुंचाने भारत सरकार और प्रदेश सरकार के अभियान को लेकर वह प्रतिदिन समीक्षा भी करती नजर आ रही हैं।

कलेक्टर अजीत वसंत ने मीसा बंदियों का किया सम्मान

-संवाददाता-
कोरबा, 25 जून 2025
(घटती-घटना)।

आपातकाल के 50वी वर्षगांठ के अवसर पर 25 जून को जिला प्रशासन द्वारा कलेक्ट्रेट में मीसा बंदियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वसंत ने आपातकाल के दौरान मीसा के तहत जेल गए स्वतंत्रता सेनानियों और लोकतंत्र रक्षकों को शॉल, श्रीफल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान श्री वसंत ने कहा कि मीसा बंदियों ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने मीसा बंदियों से आपातकाल के दौरान घटी घटनाओं के विषय में भी जाना। मीसा बन्दी श्री मूरित राम साहू ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि आपातकाल के समय वे कॉलेज में छात्रनेता थे। इस दौरान रैली निकालने पर उन्हें जेल जाना पड़ा और 16 माह तक जेल में ही रहे। मीसा बन्दी स्व श्री एल एन कड़वे की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला कड़वे ने आपातकाल में घटी व्यथा को बताया। इस दौरान अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे, मीसाबंदी परिवार के सदस्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिंगरौली मे युवती की मौत के मामले मे घरवालों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की जताई आशंका

-संवाददाता-
कोरबा,25 जून 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा की रहने वाली युवती की पुष्पांजलि महंत (22 साल) की लाश नग्न अवस्था में मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले मे एक घर मे खिड़की के ग्रिल से लटकी मिली। परिजनों को जब इस घटना की जानकारी मिली तो वे वहाँ पहुँच मामले कि पूरी जानकारी लेने के बाद परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की जताई आशंका । यह मामला सिंगरौली के मोरवा थाना क्षेत्र का है। परिजनों का आरोप है कि तीन दिन तक एमपी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिसके बाद वे बेटी के शव को लेकर कोरबा जिले के रलिया आ गए। जहां आज अमगांव चौक के पास सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया गया और कोरबा पुलिस से कार्रवाई की मांग की है । परिजनों के मुताबिक, घटना के तीन दिन तक युवती का शव मोरवा के एक अस्पताल के बाहर रखा रहा। स्थानीय डॉक्टरों ने शव खराब होने का हवाला देते हुए पोस्टमार्टम से मना कर दिया। जिसके बाद शव को रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इस बीच परिजनों का आरोप है कि पुलिस उनके साथ इस दौरान दुर्व्यवहार किया । चार दिन बीतने के बाद भी न तो पोस्टमार्टम हुआ और न ही मामले में कोई कार्रवाई की गई। इससे नाराज होकर परिजनों और स्थानीय लोगों ने कोरबा के हरदीबाजार थाना क्षेत्र के आमगांव चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया। जबकि मोरवा थाना पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वहीं रीवा मेडिकल कॉलेज में होने वाले पोस्टमार्टम के बाद मामले की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

परिजनों का कहना है की जब वह कोरबा से सिंगरौली पहुचे तो उन्हे पुलिस द्वारा स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और घटना की भी सही जाँच नहीं की, इसलिए परिजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरबा के सामने लाश लेकर पहुचे और कोरबा पुलिस से जाँच मे सहयोग की मांग की है ।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स)संभाग सूरजपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक-1880 /एन.आई.टी.-/02/2025-26/व.ले.लि. दिनांक 23.06.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि :- 02.07.2025 अपरान्ह 5:30 बजे

ठेकेदारो द्वारा प्रस्तुत निविदाये प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-08.07.2025अपरान्ह 5.:30बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :-09.07.2025 पूर्वान्ह 11:30 बजे से

एन.आई.टी.क्र. /निविदा क्र.	कार्य का नाम	काय की अनुमानित लागत (लाख में)/अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में) कार्य पूर्णता हेतु अवधि
02 T0010	वि.ख.रामानुजनगर के ग्राम.पं.पोंड़ी के चनावारीडांड़ में नव निर्मित हाई स्कुल परिसर में सी.सी.प्लेटफार्म एव मुरूमीकरण कार्य	5.00/3750.00/75000.00 02 माह (वर्षा ऋतु सहित)

नियम व शर्तें: ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द'से 'अ' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे,निविदा प्रमत्र की कीमत 750.00प्रति निविदा फार्म है,निविदा संबधीं अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur live tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यलय मे किया जा सकता है।

जी0नं- 252601738/1

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (म./स.) संभाग सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202506020700046

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015
(4344)0.304(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-लखीया
अनावेदक पक्षकार- पियर, बिजय, पि.ननकू छेदी पि.पहरूलुयाराम,केन्दवा, कच्चू,ललसी,हिया,परमन पि.भूखनी बवा

ईश्तहार

आवेदक तखीया पुत्री स्व0 पीयर व अन्य निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4344 रकबा 304 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत खातेदार पियर,विजय,लुयाराम,कच्चु, ललसी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/07/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 2/06/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 12/06/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-रजपुरीकला
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेंदक/आवेदिका वशिष्ट प्रजापति आ0 नान प्रजापति निवासी ग्राम रजपुरीकला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (माता) स्व0 कुन्नी बाई की मृत्यु दिनांक 04/06/2021 को हो जाने से (जन्म- मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण -पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 30/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 30/06/ 2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — नायब तहसीलदार तहसील-लखनपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202506020700183

विषय:अ-6 मामले की श्रेणी:राजस्व सन:2024-2025

फ्दुरडिहारी प.ह.नं.00016(130/4 0.0160हे0
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदकपक्षकार-प्रिया यादव
अनावेदक पक्षकार-शिवरानी देवी,शैलेन्द्र,

ईश्तहार

आवेदक प्रिया यादव पति अरविन्द यादव निवासी ग्राम चंदननगर तहसील प्रेमनगर जिल सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुदुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 130/4 रकबा 0.147 हे0मे से रकबा 0.016 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्व विक्रय पत्र दिनांक 19-09-2024 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबधं में जिस किसी व्यक्ति के कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14.07.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19-06-2025 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार अंबिकापुर छ0ग0

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा)सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-2 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अमर सिंह,आ0रामलखन जाति गोंड़ निवासी ग्राम कॉलेज रोड सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एंव अधिपत्य की भूमि ग्राम सूरजपुर प.ह.न.11, रा.नि.मं.सूरजपुर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1552/5 रकबा 0.022 हे0 कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बधं में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वंय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07.07.2025को न्यायालयीन समयवधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/06/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर जिला सरगुजा ,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /ब -121 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीम इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा0लि0 द्वारा डायरेक्टर अतुल कुमार दुबे आ0स्व0 विजयनाथ दुबे निवासी मनेन्द्रगढ रोड अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भुमि ग्राम भगवानपुरकला स्थित खसरा नंबर 212/17 रकबा 0.285 हे0 मेसे रकबा 0.028 हे0 भूमि को अनावेदक संगीता सिंह पति रविन्द्र सिंह निवासी भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 15,72,542/में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ,जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाईं दिनांक 09.07.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा -आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0)रामानुनगर,जिला-सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र. /1006/अ-2 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम नारायणपुर-को सूचित किया जाता है। आवेदिका पूनम साहु पति विजय साहु जाति तेली निवासी ग्राम नारागयणपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम नारायणपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर 613/5रकबा 0.01 हे0भूमि कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतू व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,बी-1 खसरा,नक्शा सरगुजा सेटलमेंट व रिनबरिंग सूची की छायाप्रति ग्राम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबधं में जिस किसी भी व्यक्ति को कोईआपत्ति हो तो वे स्वंय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07/07/2025 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सक ते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.06.2025 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0

न्यायालयअनुविभागीय अधिकारी (रा0)रामानुनगर,जिला-सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र. /1005/अ-2 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम नारायणपुर-को सूचित किया जाता है। आवेदिका पूरम साहु पति विजय साहु जाति तेली निवासी ग्राम नारागयणपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम नारायणपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर 613/4 रकबा 0.02 हे0 भूमि कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतू व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,बी-1 खसरा,नक्शा सरगुजा सेटलमेंट व रिनबरिंग सूची की छायाप्रति ग्राम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गाया है।

अतएव उक्त संबधं में जिस किसी भी व्यक्ति को कोईआपत्ति हो तो वे स्वंय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07/07/2025 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सक ते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.06.2025 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0

क्या ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बाद भी नगर निगम चिरमिरी में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है?

विधायक समर्थित व भाजपा समर्थित लोगों में आक्रोश, कांग्रेस समर्थित लोग ही हो रहे अभी भी उपकृत

क्या नगर निगम चिरमिरी को भ्रष्टाचार का चारागाह समझ लिया गया है?

महापौर मूकदर्शक बनकर सब देख रहे हैं पर कुछ कर नहीं सकते...उनके हाथ एहसान तले दबे हैं?

पूर्व विधायक व पूर्व महापौर के खास लोग एक नहीं 15 शासकीय उचित मूल्य की दुकान का जिम्मा संभाल रहे हैं

अपने ही सरकार में भाजपा के लोगों का विरोध अब सोशल मीडिया पर झलकने लगा

जितनी गाड़ियां हैं उनके ड्राइवर का वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा...उतनी गाड़ियां चल नहीं पा रही हैं फिर पांच ट्रैक्टर व दो जेसीबी खरीदने की क्या आवश्यकता पड़ी?

नगर निगम के पार्षद भी जन सरोकारों से दूर घमंड में हैं चूर,वार्डवासियों की समस्याओं के निराकरण की जगह अपना चेहरा चमकाने में हैं व्यस्त?

नगर निगम चिरमिरी का हाल हुआ बेहाल,न महापौर न पार्षद सभी सत्ता घमंड में मदमस्त?

क्या पूरे एमसीबी का सबसे बड़ा गरीब व बेरोजगार चिरमिरी का संदीप चैटर्जी है?

-रवि सिंह-

एमसीबी/चिरमिरी, 25 जून 2025 (घटती-घटना)। सत्ता का घमंड जब सर चढ़कर बोलने लगता है तब सत्ताधारी दल का कर्मठ कार्यकर्ता जो कंधे पर झंडा उठाकर सत्ता प्राप्ति कराने में सहयोगी होता है और जनता जो मतदान कर अपने भविष्य की बेहतरी के लिए उम्मीद लगाए बैठी रहती है दोनों ही त्रस्त हो जाते हैं दोनों ही भगवान भरोसे वाली स्थिति में पहुंच जाते हैं और फिर वह निराश होकर कुंठित होने लगते हैं और जल्द से जल्द वर्तमान सत्ता के वर्तमान समय और भविष्य काल के समय के व्यतीत होने की कामना करने लगते हैं और पूरी तरह सत्ता परिवर्तन का मन वह बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ आजकल एमसीबी जिले के एकमात्र नगर निगम में चल रहा है, वैसे यह हाल एमसीबी जिले के दोनों विधानसभाओं का भी है जहां कार्यकर्ता और जनता अब केवल दिन बचे हुए गिन रही है और वर्तमान सत्ताधारियों को सत्ता से बेदखल करने की मंशा अपने मन मस्तिष्क में स्थिर कर रही है। एमसीबी जिले के चिरमिरी नगर निगम का तो नगरीय निकाय चुनाव पश्चात हाल ही बेहाल है, चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता हों या फिर वहां की मतदाता जनता दोनों की मानसिक स्थिति हाल फ़िलहाल में सत्ता विरोधी हो चुकी है और वह वर्तमान सत्ता के बचे समय के जल्द बीत जाने की कामना कर रहे हैं और वह सत्ता परिवर्तन के लिए खुद आगे आयेंगे भविष्य में यह उनके मनोभाव से स्पष्ट समझ में आने लगा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से वह जाहिर कर रहे हैं।

Chandan Gupta is with **Aditya Gupta Journalist** and **16 others**.
1 h

ये है चिरमिरी के चर्चित शासकीय राशन दुकान किंग सुदीप चटर्जी

कांग्रेस के शासन के दौरान ये और इनकी पत्नी बॉबी चटर्जी कट्टर कांग्रेसी थे और तब के विधायक डॉ. विनय जायसवाल और महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल के ये परम भक्त थे,

ये हम नहीं कह रहे है बल्कि खुद इनका उस समय का सोशल मीडिया पोस्ट कह रहा है,

तब इनके और इनके परिवार के पास लगभग 12 सरकारी राशन दुकानें थी,

राज्य में भाजपा की सरकार आते ही ये कट्टर भाजपाई हो गए, जिससे खुश होकर भाजपा की सरकार ने इन्हें कुछ और सरकारी राशन की दुकानें प्रदान कर दी,

मिली जानकारी के अनुसार अब इनके पास लगभग 15से 17 सरकारी राशन की दुकानें है ।
चिरमिरी में भाजपा के 16 शक्तिकेंद्र संयोजक और 67 बूथ अध्यक्ष है जिसमें अधिकतर लोग बेरोजगार हैं,
इसमें भाजपा के कार्यकर्ता तो इस लायक है ही नहीं कि वे सरकारी राशन की दुकान चला सके,

अगर वे सरकारी राशन की दुकान चलाएंगे तो फिर पार्टी का झंडा कौन बांधेगा और पोस्टर कौन चिपकाएगा ???
आज के लिए इतना ही फिर कल मिलेंगे इसी समय 🙏
शुभ रात्रि

Like Comment Send Share

Bablu Singh
ये पूरे प्रदेश में हो रहा जो कभी की पार्टी की सदस्यता भी नहीं है उनको बड़े पद बड़े काम मिल रहा है
Like Reply 1

Vinod Singh
इस दुख की घड़ी में भगवान आपको सहने की शक्ति दे 😜
Like Reply 1

Rajesh Chauhan
ओ अपनी कला में माहिर हैं फिर चाहे खग्रेश के नेता हो या भाजपा के ,और भाजपा के नेता जी की म... See more
Like Reply

Prakash Tripathi
मेरी जानकारी में इस व्यक्ति का संबंध कभी कांग्रेस से नहीं रहा
ये शिवांश जैन की तरह डॉक्टर... See more
Like Reply 1

Pradeep Saluja
पूर्वजों के समय
होहिंये वही जो राम रची राखा
वर्तमान में
होहिंये वही जो श्याम रची राखा
Like Reply

Write a comment...

Chandan Gupta, Vicky Nahak और **9 अन्य लोगों** के साथ हैं.
अभी-अभी

सरकारी राशन दुकान में पांच दिनों तक नंबर लगाने के बाद भी मुझे राशन नहीं मिलता,
क्योंकि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं ।
नगर निगम में पांच दिनों तक चक्कर काटने के बाद भी मेरा मेरे लोगों का राशनकार्ड नहीं बनता, या निगम का कोई कार्य नहीं होता
क्योंकि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं ।
हल्दीबाड़ी में पांच सरकारी राशन दुकानों को चलाने के लिए गोदरीपारा से आदमी आता है, वही जो कांग्रेस शासन में चलाता था
क्योंकि हल्दीबाड़ी में कोई भाजपा का कार्यकर्ता नहीं है ।
लोग पीने के पानी, बार बार कटती बिजली, निगम के कर्मचारियों के बकाया पेमेंट के बारे में मुझसे सवाल करते है, पर मेरे पास कोई जवाब नहीं होता,
क्योंकि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं ।
मेरी उपयोगिता केवल चुनाव के समय झंडे लगाने और पोस्टर चिपकाने तक ही है,
क्योंकि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं ।

लाइक करें कमेंट करें भेजें शेयर करें

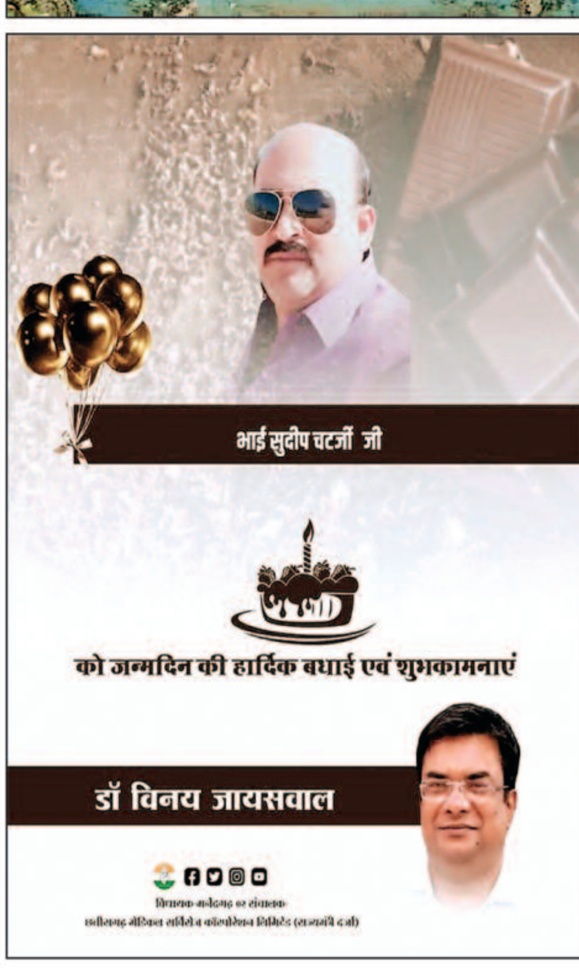

Sudeep Chatterjee, Vinay Jaiswal के साथ हैं.
28 फ़र॰ 2022

भूपेश है तो भरोशा है
विनय है तो विस्वास है
यह कथन सत्य है आज आपके अच्छे कार्यो का फल मिला है, राज्य मंत्री के रूप में ।भगवान से प्रार्थना करता हु कि आप इसी तरह और आगे बढ़े ।
हार्दिक बधाई भैया 🌸🌸🌸

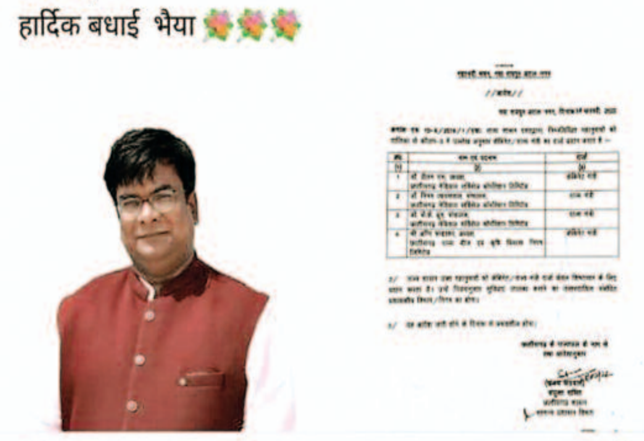

Savi K + 14 2 कमेंट

लाइक करें कमेंट करें भेजें

सत्ता की कुर्सी महापौर पार्षदों बैठने के लिए नहीं समस्याओं को देखने और दूरदृष्टा होने के लिए खड़े होकर दूर तक नजर दौड़ाने के लिए मिली थी पर आंख मूंदकर सुख भोग रहे है...

चिरमिरी की कहानी और सत्ता की कुर्सी पर बैठे महापौर पार्षदों की दास्तान सुनकर अब ऐसा लगने लगा है कि जो कुर्सी बैठने के लिए नहीं समस्याओं को देखने और दूरदृष्टा होने के लिए खड़े होकर दूर तक नजर दौड़ाने के लिए मिली थी उस कुर्सी पर निर्वाचित महापौर पार्षद चिपककर बैठ गए हैं और दूरदृष्टा होने की बजाए वह आंख मूंदकर सत्ता सुख भोगने में लगे हैं और वह केवल उद्घाटन, शिलान्यास,जयंती और अन्य उत्साह आयोजन तक ही अपनी जिम्मेदारी मान लिए हैं। जनता और वार्ड वासियों से किसी को कोई लेना देना नहीं उनसे सीधे मुंह बात करने की भी फुर्सत अब उनके पास नहीं यह आरोप भी लग रहे हैं देखने को भी मिल रहा है। वैसे क्या चिरमिरी नगर निगम में सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है यह भी एक सवाल खड़ा है जिसका जवाब तो हां में है लेकिन अब क्या महापौर पार्षद भाजपा के इसे स्वीकार करते हैं यह देखने वाली बात होगी।

ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद क्या नगर निगम चिरमिरी में सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है?

नगर निगम चिरमिरी में भाजपा की सरकार है,प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है वहीं केंद्र में भी भाजपा की सरकार है,इस तरह ट्रिपल इंजन सरकार का मामला है चिरमिरी नगर निगम में,अब उसके बावजूद निगम से और चिरमिरी से भाजपा के लिए सुखद संदेश नहीं सामने आ रहा है,नगर के लोग नाराज हैं वहीं भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी नाराज हैं,अब ऐसा क्यों है यह तो कहना मुश्किल है लेकिन सवाल यह है कि क्या नगर निगम चिरमिरी में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है।

महापौर मौन हैं पार्षद फोटोग्राफी में व्यस्त हैं,जनता नगर की त्रस्त है,आखिर ऐसा क्यों है?

नगर निगम चिरमिरी में महापौर बिल्कुल निष्क्रिय नजर आ रहे हैं कुल मिलाकर मौन हैं और इसके पीछे की वजह जो बताई जा रही है वह चुनाव जीतने में सहयोग का है और यह प्रत्याशी चयन से लेकर जीत दर्ज होने तक का एहसान है जो उन्हें मौन बनाता है,वहीं भाजपा पार्षदों को लेकर बताया जा रहा है आरोप लग रहा है कि वह अब केवल अपनी छवि बनाने में लगे हैं तस्वीर खिंचाने में लगे हैं वार्डवासियों से उनकी समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है उनके निराकरण का उनके पास समय नहीं है,वार्ड की जनता समस्याओं के साथ पार्षदों के पास जाने से भी भयभीत है क्योंकि उन्हें अपमानित होने की भी स्थितियों से गुजरना पड़ रहा है जैसी सूचनाएं हैं। महापौर बड़े ओहदे पर हैं उनसे लोग मिलने से हिचकिचाते भी हैं वहीं पार्षदों का अहम महापौर से भी ज्यादा होने के कारण अब उनसे भी वार्डवासी मिलने कतराने लगे हैं और अपनी स्थिति में रहने ही वह तैयार हैं। ऐसा क्यों है क्या भाजपा का अनुशासन महापौर पार्षदों पर लागू नहीं है यह बड़ा सवाल है।

एक पूर्व कांग्रेसी जो बन बैठा भाजपाई को लेकर ज्यादा विरोध,राशन दुकान संचालक भी है वह

चिरमिरी की कई उचित मूल्य राशन दुकान एक ही व्यक्ति के नियंत्रण में है,वह व्यक्ति कांग्रेस शासनकाल में कांग्रेसी था और तब भी वह नगर निगम की अधिकांश उचित मूल्य राशन दुकान का संचालन करता था वहीं अब भाजपा शासनकाल में भी वही पूरे राशन दुकान का संचालन कर रहा है और वह भाजपा का सदस्य बन गया है, संदीप चटर्जी नाम के उक्त व्यक्ति को लेकर भी भाजपाई नाराज हैं, बताया जा रहा है कि वह अकेले कई राशन दुकान का अकेला संचालक है जबकि यदि कईयों को दुकान आबंटित की जाए तो कईयों को रोजगार मिल सकता है। उक्त व्यक्ति को लेकर भी भाजपा कार्यकताओं में आक्रोश है और उनका कहना है कि विपक्ष में रहते हुए डंडा खाने और झंडा लगाने के समय वह आगे होते हैं मेहनत करते हैं और जब सत्ता मिलती है बड़े नेता अपने चहेतों को लाभ दिलाने उन्हें दूसरे दल से अपने दल में प्रवेश दिलाते हैं और उन्हें भाजपाइयों से आगे के क्रम में खड़ा कर देते हैं।

महापौर तो मौन है क्योकि एहसान में दबे है?

चिरमिरी नगर निगम की भाजपा सरकार को लेकर वहां के लोगों की लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं सोशल मिडिया में जिसमें कुछ कर्मठ भाजपा कार्यकर्ताओं का भी सोशल मीडिया पोस्ट सामने है जिसमें वह अपना दुखड़ा सामने रखकर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर उनका काम या उनसे जुड़े लोगों का काम नहीं होने के पीछे की वजह क्या है? उनका कहना है कि केवल उनका भाजपा के लिए समर्पित होना ही उनके लिए घातक हो रहा है उनके लिए असफलता का कारण बन रहा है वहीं जो विपक्षी दल के हैं वह लगातार उपकृत हो रहे हैं और उन्हें गले से गले मिलाकर सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों द्वारा रखा जा रहा है। चिरमिरी नगर निगम को लेकर वहां के निर्वाचित भाजपा नेताओं जिसमें महापौर और विभिन्न वार्डों के पार्षद शामिल हैं का व्यवहार और कार्यप्रणाली भी चर्चा का विषय है और बताया जा रहा है आरोप लग रहा है कि महापौर तो मौन धारण कर बैठे हैं क्योंकि उनके साथ एहसान का मामला है और उनका निर्वाचित होना केवल एक एहसान है वरना वह चुनाव नहीं जीत रहे थे वहीं भाजपा के पार्षदों को लेकर बताया जा रहा है चर्चा हो रही है कि पार्षद अब महापौर से भी बड़े कद के खुद को मान बैठे हैं और वह अपने वार्ड वासियों से सीधे मुंह बात नहीं करते और न ही उन्हें वार्ड की समस्याओं से कोई लेना देना है, विभिन्न शासकीय गैर शासकीय आयोजनों में जाकर फोटो सेशन मात्र चिरमिरी के नगर निगम निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का एकमात्र काम रह गया है वहीं वार्ड वासी नगर निगम वासी परेशान रहे इससे किसी को कोई लेना देना नहीं है।

ट्रिपल इंजन सरकार मिलने के बाद भी चिरिमिरी की जनता परेशान?

चिरमिरी नगर निगम की बात की जाए तो ट्रिपल इंजन सरकार के वादे के साथ भाजपा को लोगों ने समर्थन दिया और पूर्ण बहुमत वाली सरकार वहां बन पाई, भाजपा के झंडाबरदार कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भी दिन रात एक किया और खून पसीना जलाया तब जाकर भाजपा की सरकार बन पाई महापौर और कई पार्षद चुनाव जीतकर पार्टी के निगम के दहलीज तक पहुंच सके लेकिन अब वही कर्मठ झंडाबरदार कार्यकर्ता यह आरोप लगा रहा है कि उसका और उससे जुड़े लोगों का पूरे निगम क्षेत्र के भाजपा के झंडाबरदार कर्मठ कार्यकर्ताओं और उनसे जुड़े लोगों का कोई काम कोई सुनवाई इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि वह भाजपाई हैं। आरोप लगाने वाले दुख और पीड़ा जाहिर करने वाले अब यह भी कहते सुने जा रहे हैं कि कांग्रेस शासनकाल वाले लोग भाजपा में भी उसी स्थिती में हैं मजे में हैं और सत्तासुख भोग रहे हैं जबकि भाजपा वाला कर्मठ कार्यकर्ता आवेदन निवेदन करता थक जा रहा है कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

कांग्रेसी को केवल उपकृत किया जा रहा है?

एक कर्मठ कार्यकर्ता के सोशल मिडिया पोस्ट को समझें तो समझ में आएगा कि कैसे एक पूर्व कांग्रेसी भाजपाई बन बैठा और पूरे निगम क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य दुकान का इकलौता संचालक कांग्रेस शासनकाल से ही चला आता रहा और अभी भी है जबकि शासकीय उचित मूल्य की दुकान का संचालन कार्य जिम्मा बांटा जा सकता था और जिससे कई लोगों को रोजगार का अवसर मिल सकता है, वहीं ऐसा न करते हुए एक पूर्व कांग्रेसी को केवल इसलिए लगातार उपकृत किया जा रहा है भाजपा में शामिल कराकर क्योंकि वह दुकान संचालन करता रहे और अकेला वह धनाढ्य बनता रहे। संदीप चटर्जी नाम के उक्त दुकान संचालक को लेकर लिखा यह भी गया है कि लोगों को कई कई दिन केवल इसलिए राशन नहीं मिल पाता और दुकान से लौटना पड़ जाता है क्योंकि वह कई जगह का इकलौता संचालक है जिसे समय नहीं मिल पाता और राशन वितरण में विलंब होता है लोग दुकान आकर लौटने मजबूर होते हैं।

चिरमिरी में भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी मनेंद्रगढ़ विधायक के लिए नुकसानदायक साबित होगा

चिरमिरी भाजपा का गढ़ रहा है,इसबार के चुनाव में साथ ही नगर निगम चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी मिला, अब वहीं के भाजपाई नाराज हैं, कार्यकर्ता उदास हैं, कार्यकर्ता इसलिए नाराज हैं क्योंकि चिरमिरी में भाजपाइयों की बजाए कांग्रेसी उपकृत किए जा रहे हैं वहीं जातिवादी स्थितियां भी सामने हैं जो अन्य को वर्तमान विधायक से दूर कर रही हैं, एक बात यह तय है कि चिरमिरी की नाराजगी का असर विधानसभा चुनाव में स्पष्ट नजर आएगा और वर्तमान विधायक की दिक्कतें बढ़ेंगी, आज चिरमिरी की स्थिति यह है कि चिरमिरी में भाजपाई सीधे विरोध करते नजर आ रहे हैं नगर निगम का और साथ ही विधायक का भी, विधायक जो मंत्री भी हैं उनका विरोध करते उनके खास आज सोशल मीडिया में सामने हैं। भाजपा के लिए ऐसी स्थिति चिरमिरी में कभी नहीं बनी थी जब सत्ता में रहते हुए उसका या उसके नेताओं का विरोध हो,भाजपा संघ के माध्यम से भी चिरमिरी में मजबूत हुआ करती थी जो भी अब भाजपा से खफा है ऐसा बताया जा रहा है और सबका कारण है एकला चलो नीति, भाजपाइयों का साफ कहना है सत्ता में भी जब विपक्ष हावी हो ऐसी स्थिति में विपक्ष में बैठना बेहतर इसलिए वह अब आगे चुनावों में भाजपा के लिए काम करने से पहले सोचेंगे, वैसे अब स्थिति में सुधार की गुंजाइश भी कम है क्योंकि सत्ता के दो साल बीतने को हैं और भाजपाई अब निराश हैं जिन्हें अब मरहम भी राहत कोई देगी लगता नहीं। वर्तमान विधायक अपने कार्यकाल में मंत्री रहते हुए न ही महापौर को सक्रिय कर पा रहे हैं और न पार्षदों पर उनका कोई नियंत्रण है, सबकुछ राम भरोसे है वहीं हाल उनके कार्यकाल के विषय में भी अच्छा नहीं है, आलोचना अब प्रसिद्धि का कारण नहीं नुकसान का कारण बनने वाली हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में हुआ उलटफेर

ऋषभ पंत और बेन डकेट ने मारी छलांग,किसे हुआ नुकसान

नई दिल्ली,25 जून 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खत्म होने के अगले ही दिन आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस बीच नई रैंकिंग में कई सारे बदलाव नजर आ रहे हैं। खास तौर पर भारत के ऋषभ पंत और इंग्लैंड के बेन डकेट ने छलांग मारी है। इन दोनों ने लीड्स टेस्ट में कमाल का खेल दिखाया था। इसके साथ ही कई बल्लेबाजों को नुकसान भी हुआ है।

जो रूट अभी भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज

आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में इस वक्त इंग्लैंड के जो रूट नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनकी रेटिंग अभी 889 की चल रही है। इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक इस वक्त आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी रेटिंग 874 की है। इन दोनों प्लेयर्स की रेटिंग में भी तो बदलाव हुआ है, लेकिन रैंकिंग पहले जैसी ही बनी हुई है।

इनकी रैंकिंग में नहीं हुआ कोई बदलाव

न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की बात की जाए तो वे इस वक्त आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में नंबर तीन पर हैं। उनकी रेटिंग 867 की है। भारत के यशस्वी जायसवाल ने लीड्स टेस्ट में शतक लगाया था, उनकी रेटिंग तो अब 851 की हो गई है, लेकिन रैंकिंग अभी भी चौथी बनी हुई है। स्टीव स्मिथ 824 की रेटिंग के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर 5 पर हैं। साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा 806 की रेटिंग के साथ इस वक्त नंबर 6 पर बने हुए हैं। यानी टॉप 6 बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि इसके बाद काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

ऋषभ पंत को एक स्थान का हुआ फायदा, बेन डकेट ने मारी पांच स्थानों की छलांग

भारत के ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने का काम किया है। इसका फायदा उन्हें मिलता हुआ नजर आ रहा है। पंत की रेटिंग अब बढ़कर 801 की हो गई है। उन्हें इस बार एक स्थान का फायदा मिला है। इस बीच इंग्लैंड के बने डकेट ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक और दूसरी में शानदार शतक ठोका था। यही वजह है कि उनकी रेटिंग अब 787 की हो गई है और उन्होंने एक साथ पांच स्थानों की छलांग मार दी है।

इन बल्लेबाजों को हुआ नुकसान

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के टॉप 10 बल्लेबाजों में यही दो बैटर हैं, जिनकी रेटिंग बढ़ी है। श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस को दो स्थान का नुकसान हुआ है, वे अब नौवें स्थान पर चले गए हैं। वहीं पाकिस्तान के साउद शकील भी दो स्थान नीचे गए हैं। वे अब 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा डेरिल मिचेल, एडन मारक्रम और ट्रेविस हेड को भी एक एक स्थान का नुकसान इस बार की रैंकिंग में उठाना पड़ा है।

एजबेस्टन टेस्ट के लिए बदलेगी भारत की प्लेइंग-11

» लीड्स टेस्ट में भारत को इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया
» 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाना है दूसरा टेस्ट मैच
» कुलदीप यादव को खिलाओ-संजय मांजरेकर

नई दिल्ली,25 जून 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट एजबेस्टन में 2 जुलाई 2025 से खेला जाना है। पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी कुछ खास नहीं रही।भारतीय गेंदबाज पहले टेस्ट में 371 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए और इंग्लैंड ने 5 विकेट से लीड्स टेस्ट अपने नाम किया। अब दूसरे टेस्ट से पहले भारत की प्लेइंग-11 को बदलने की मांग की गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने जियोसिनेमा के मैच सेंटर लाइव में कुलदीप यादव को खिलाने की मांग की।

कुलदीप यादव को दूसरे टेस्ट में मिलेगा मौका?

दरअसल भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से मिली हार के बाद मेहमान टीम के गेंदबाजी आक्रमण पर सवाल उठने लगे हैं। अब दूसरे टेस्ट के लिए कुलदीप यादव को मौका मिलने की डिमांड पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने की है।

संजय मांजरेकर ने एक बार फिर रवींद्र जडेजा को लताड़ा

नई दिल्ली,25 जून 2025। लीड्स टेस्ट में भारत की हार के बाद आरोप-प्रते यारोप का दौर जारी है। फैंस से लेकर क्रिकेट एक्े सपर्ट तक सभी अलग-अलग प्लेयर्स को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की आलोचना की है। वह पहले टेस्ट में जडेजा के प्रदर्शन से खफा हैं। इससे पहले भी मांजरेकर जडेजा की आलोचना कर चुके हैं। जडेजा ने दोनों पारियों में 47 ओवर गेंदबाजी की और 172 रन देकर 1 विकेट चटकाया। वह 5वें दिन कंडीशन का फायदा नहीं उठा पाए। जियो हॉटस्टार पर मैच सेंटर लाइव पर मांजरेकर ने कहा कि पिच में कुछ खराबियां थीं, जिनका जडेजा फायदा उठा सकते थे और उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी से और अधिक की उम्मीद थी। जडेजा ने पहली पारी में 11 और दूसरी पारी में नाबाद 25 रन बनाए। मांजरेकर ने कहा, प्रसिद्ध कृष्णा जैसे युवा खिलाड़ियों की अत्यधिक आलोचना करना उचित नहीं है। मैं रवींद्र जडेजा की आलोचना करने जा रहा हूं। यह अंतिम दिन की पिच थी, जिसमें कुछ पैच थे, जिसका फायदा उन्हें उठाना था। हमें उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी से और अधिक की उम्मीद करनी चाहिए।

रफ का फायदा नहीं उठाया

मांजरेकर का मानना है कि पांचवें दिन की परिस्थितियां इंग्लैंड में आमतौर पर होने वाली परिस्थितियों जैसी नहीं थीं और जडेजा ने बेन डकेट के खिलाफ रफ का अच्छा इस्तेमाल नहीं किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज की पारी के अंत में ही उन्होंने यह तरकीब अपनानी शुरू की। मांजरेकर ने कहा, ये आम इंग्लिश कंडीशन नहीं थीं, जहां पिच से कुछ मदद नहीं मिलती। मुझे लगा कि उन्होंने रफ का पर्याप्त इस्तेमाल नहीं किया, खासकर बेन डकेट के खिलाफ। बेन स्टोक्स के खिलाफ उन्होंने प्रयास किया। लेकिन डकेट की पारी के काफी बाद में ही जडेजा ने रफ का सही इस्तेमाल करना शुरू किया।

नौ साल का यह भारतीय तोड़ने वाला था विश्व नंबर-एक कार्लसन का घमंड

समय की पाबंदी की वजह से मैच हुआ ड्रॉ

नई दिल्ली,25 जून 2025। दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। इस तरह कार्लसन का घमंड चकनाचूर होने से बच गया। दरअसल, हाल ही में गुकेश ने जब उन्हें हराया था तो वह गुस्से से तिलमिला गए थे और आपा खोते हुए मेज पर रखे शतरंज पर हाथ पटक दिया था। बाद में विश्वनाथन आनंद ने कहा था कि कार्लसन खुद का दबदबा साबित करना चाहते थे कि विश्व चैंपियन मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वह आगबबूला हो गए। आनंद ने कहा कि गुकेश से हारने के बाद कार्लसन की उग्र प्रतिक्रिया शायद इसलिए थी क्योंकि उन्होंने देखा कि खेल में उनके वर्चस्व को किसी युवा खिलाड़ी द्वारा चुनौती दी जा रही है।हाल ही में अंडर-नौ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आरित ने पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था,लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा। आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। आरित ने पहले दो राउंड में जीत हासिल की है और वह बुधवार को अपना तीसरा गेम खेलेंगे। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

कौन हैं आरित कपिल?

आरित भारत के उभरते हुए सितारे हैं। उन्होंने पिछले साल सुर्खियां बटोरी थीं। प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए दिल्ली के इस नौ वर्षीय शतरंज खिलाड़ी ने पिछले साल ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनने का गौरव हासिल किया था। उन्होंने चद्वद्वज्ञ इंटरनेशनल ओपन टूर्नामेंट के नौवें दौर के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के 66 वर्षीय रासेत जियातदीनोव को हराकर यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की थी। ओवरऑल वह ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भारतीय मूल के सिंगापुर के अश्वथ कौशिक हैं, जिन्होंने पिछले साल की शुरुआत में पोलैंड के जेसेक स्तूपा के खिलाफ जीत हासिल की थी, जब वह सिर्फ आठ साल और छह महीने के थे।

ग्रैंडमास्टर को हराने वाले शीर्ष तीन सबसे युवा खिलाड़ी

1. अश्वथ कौशिक (सिंगापुर): उम्र- 8 साल 2 महीना
2. लियोनिद इवानोविच (सर्बिया): उम्र- 8 साल 11 महीना
3. आरित कपिल: उम्र- 9 साल 2 महीना

क्यों चर्चा में थे मैग्नस कार्लसन?

दरअसल, नॉर्वे शतरंज में विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश से हारने के बाद विश्व नंबर-एक मैग्नस कार्लसन ने मेज पर रखे चेस बोर्ड पर हाथ पटका था। किसी ने कार्लसन जैसे दिग्गज से इस तरह की प्रतिक्रिया की अपेक्षा नहीं की थी। नॉर्वे शतरंज के छठे राउंड में गुकेश से हार से हताश कार्लसन ने मेज पर हाथ पटका था, जिससे मोहरें तितर बितर हो गईं। कार्लसन फिर ओह माय गॉड चिल्लाते हुए उस हॉल से निकल गए। उनकी यह प्रतिक्रिया देखकर पूरी दुनिया हैरान थी। कार्लसन इसी टूर्नामेंट में गुकेश से एक बार भिड़ चुके थे, जिसमें नॉर्वे के इस दिग्गज खिलाड़ी ने जीत हासिल की थी, लेकिन दूसरे में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

नेमार ने सैंटोस के साथ कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर 2025 तक बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो,25 जून 2025। नेमार ने सैंटोस के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक बढ़ा दिया है। इसका ऐलान ब्राजील के सीरी ए क्लब ने किया है। 33 वर्षीय पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड सऊदी प्रो लीग की टीम अल-हिलाल से अलग होने के बाद जनवरी में छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर अपने बचपन के क्लब में लौट आया है। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर का नाम मेजर लीग सॉकर में जाने या यूरोप में वापसी की अटकलों से जुड़ा हुआ था, लेकिन उन्होंने अब 2025 सीजन के अंत तक सैंटोस क्लब में बने रहने पर सहमति जताई है। नेमार ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा, मैंने एक फैसला लिया और अपने दिल की बात सुनी। सैंटोस सिर्फ मेरी टीम नहीं है। यह मेरा घर, मेरी जड़ें, मेरा इतिहास और मेरा जीवन है। उन्होंने आगे कहा, यहां मैं एक लड़का था, जो एक आदमी बन गया। मुझे सच में बहुत प्यार मिलता है। यहां मैं वास्तव में खुश हूं। यहीं पर मैं अपने करियर में अधूरे सपनों को पूरा करना चाहता हूं। मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं जाता हूं, वापस आता हूं और यहीं रहता हूं। जहां से यह सब शुरू हुआ और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा।

अजय देवगन की रेड 2 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देगी दस्तक

26 जून से नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे सितारों से सजी फिल्म रेड 2 को काफी पसंद किया गया था। उनकी यह फिल्म इस साल 1 मई को दर्शकों के बीच आई थी और इसका निर्देशन राज कुमार गुप्ता ने किया था। अब रेड 2 अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। आइए जानें आप यह फिल्म कब और कहां देख पाएंगे।सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब रेड 2 ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे रही है। इस फिल्म का प्रीमियर 26 जून, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा। निर्माताओं ने इसकी जानकारी देते हुए लिखा, आज से उल्टी गिनती शुरू। अमय पटनायक एक नए मामले और वही पुरानी आग के साथ वापस आ गए हैं। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म रेड 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 173.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती:आर.माधवन

आर. माधवन और फातिमा सना शेख की आगामी फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। इसमें प्यार, इमोशन्स और रिश्तों की कहानी देखने को मिलेगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर बनाई थी। इस फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा,मनीष चौधरी और नमित दास जैसे कलाकार अहम किरदार में हैं। फिल्म आप जैसा कोई में आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी के किरदार में हैं, वहीं फातिमा मधु बोस नाम की महिला के रोल में है। कहानी में दोनों एक ऐसे रिश्ते में हैं, जहां दोनों एक-दूसरे को समझते हैं और बराबर सम्मान देते हैं। अपने किरदार श्रीरेणु के बारे में बात करते हुए आर. माधवन ने कहा, आप जैसा कोई अब तक की मेरी बाकी लव स्टोरीज से बहुत अलग है। यह कहानी शांत, थोड़ी अजीब और मानवीय है। मेरा किरदार श्रीरेणु एक ऐसा इंसान है जो प्यार और साथ चाहता है, लेकिन अपने दिल की बात कह नहीं पाता। बाहर से भले ही वह चुप और झिझकता हुआ लगे, लेकिन अंदर से वह बहुत इमोशनल है। कहानी की खासियत बताते हुए माधवन ने आगे कहा, फिल्म उन लोगों के लिए है जो प्यार या जिंदगी में नजरअंदाज किए गए हैं। यह फिल्म संदेश देती है कि अपनी शर्तों पर जीने की शुरुआत करने के लिए कोई उम्र नहीं होती। यह कहानी कमजोरी और हिम्मत की, खुद को फिर से खोजने की और दिल खोलकर दोबारा प्यार करने के बारे में है। फातिमा सना शेख ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। फिल्म में मेरा किरदार मधु मेरे लिए बेहद खास है। आमतौर पर हम हिम्मत और आत्मविश्वास को मर्दों से जोड़ते हैं, लेकिन मेरा किरदार मधु इन गुणों को नारीत्व और कोमलता के साथ निभाती है। उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के जरिए मुझे प्यार के कई रंगों को महसूस करने और निभाने का मौका मिला। यह मेरे लिए थेरेपी जैसा अनुभव रहा, जिसने दिल और दिमाग को सुकून दिया। फातिमा ने आगे कहा, डायरेक्टर विवेक सोनी के साथ काम करने का अनुभव शानदार था। उनका कहानी कहने का अपना अलग अंदाज है। मुझे खुशी है कि मैं नेटफ्लिक्स, धर्मेटिक एंटरटेनमेंट, विवेक और माधवन जैसे कलाकारों के साथ इतनी खास कहानी का हिस्सा बन पाई। आप जैसा कोई फिल्म 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

ब्रेकअप के बाद विजय की नई गर्ल?

वायरल वीडियो ने उड़ाई चर्चाएं

हाल ही में एक्टर विजय वर्मा का तमन्ना भाटिया से कथित तौर पर ब्रेकअप हुआ। ऐसा लगता है कि अब विजय वर्मा को दोबारा प्यार मिल गया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी वीडियो वायरल हो रही है, जिसके आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि विजय वर्मा दोबारा रिश्ते में हैं। खबरें हैं कि विजय वर्मा दंगल गर्ल फातिमा सना शेख को डेट कर रहे हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक कैफे के बाहर एक वीडियो शूट की है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि विजय वर्मा और फातिमा सना शेख हंस रहे हैं और एक दूसरे से गले मिल रहे हैं। इसके बाद दोनों पैपराजी को पोज दे रहे हैं।

एशिया कप 2025 में नहीं होगा पाकिस्तान?

ब्रॉडकास्टर के प्रोमो से तेज हुईं अटकलें

नई दिल्ली,25 जून 2025। एशिया कप 2025 को लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। इस बार एशिया कप होगा कि नहीं इसे लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। साथ ही अगर टूर्नामेंट होगा तो पाकिस्तान इसका हिस्सा होगा? पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के रिश्ते में तनाव बना हुआ है। इस कारण से एशिया कप पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच भारत और इंग्लैंड टेस्ट के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर के एक प्रोमो से अटकलें लगने लगी हैं कि एशिया कप में पाकिस्तान शायद नहीं खेलेगा। दरअसल, 2 साल के लंबे इंतजार के बाद एशिया कप सितंबर में होने का प्रस्ताव है। 2026 के टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए ये टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इस बीच सोनी स्पोर्ट्स ने एशिया कप का एक प्रोमो जारी किया है। प्रोमो में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के टी20 कप्तानों की तस्वीर तो है लेकिन पाकिस्तान का कोई चेहरा नहीं है।

सोनी स्पोर्ट्स इंग्लैंड और भारत टेस्ट सीरीज का आधिकारिक प्रसारणकर्ता है। मंगलवार को लीड्स टेस्ट के आखिरी दिन सोनी स्पोर्ट्स ने एशिया कप का प्रोमो चलाया। इससे ये इशारा मिल रहा है कि टूर्नामेंट होगा लेकिन प्रोमो के साथ जो तस्वीरें लगी हैं उससे ये अटकलें लगने लगी हैं कि पाकिस्तान की टीम एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगी।

CMYK

आज के ही दिन देश पर थोपा गया था आपातकाल

रायपुर,25 जून 2025 (ए)। देश में आपातकाल लागू हुए आज 50 साल पूरे हो गए हैं, इसपर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बयान देते हुए इसे संविधान हत्या दिवस÷ बताया है। उन्होंने कहा कि 1975 में आज के ही दिन इस देश पर आपातकाल थोपा गया था। इस अवसर पर सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करता हूं जिन्होंने संविधान की रक्षा के लिए जेल की यातनाएं सही है। हमारी सरकार लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक 2025 पारित की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में शामिल होने के बाद आज राजधानी रायपुर लौटे। इस दौरान एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने यह बयान दिया और बैठक को लेकर जानकारी दी।सीएम साय ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में मध्य क्षेत्र परिषद की 25वीं बैठक में हिस्सा लिया। बाबा विश्वनाथ के दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त किया छत्तीसगढ़-वासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में मध्य क्षेत्र परिषद एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है जहां आपसी सहयोग एवं समन्वय से चारों राज्यों में तीव्रता के साथ विकास हो रहा है। परिषद की अगली बैठक बस्तर में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की, जिसमें अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। इस बैठक में राज्यों के विकास, विकसित भारत के अनुरूप राज्यों की भूमिका पर चर्चा हुई है।

आपातकाल की 50 वीं बरसी पर मीसाबंदियों का सम्मान

» संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जा रहा है

» भाजपा ने राजधानी सहित जिलों में किए कार्यक्रम

आपातकाल की 50वीं बरसी को भाजपा ने संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। कृषि महाविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष शामिल हुए। इस अवसर पर सेनानियों का सम्मान भी किया गया। मीसाबंदी सेनानी संघ के सचिदानंद उपासने ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा आपातकाल लगाया गया था, जिसमें कई जनप्रतिनिधियों को जेल में ठूस दिया गया था, ये लोकनायक 19 महीने जेल में रहे, इनमें से कई परिवार भी बरबाद हो गए। प्रदेश में आज कुशाभाऊ ठाक रे परिसर में यह कार्यक्रम मनाया गया। भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी के अनुसार इसमें प्रदेश अध्यक्ष एवं संगठन मंत्री पवन साय शामिल हुए। आज मुख्यमंत्री हरियाणा गए हुए हैं, हरियाणा से लौटने के बाद दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। मीसाबंदी सेनानी संघ के सचिदानंद उपासने ने बताया कि प्रदेश में 300 से अधिक सेनानी हैं, जिनका सम्मान दो चरणों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास में कल 26 जून को सेनानियों का सम्मान होगा।

उपासने के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने लोकतांत्रिक अधिकारों की हत्या करने के लिए आपातकाल लगाया था, जिसे संविधान विरोधी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसे लोकतंत्र का काला अध्याय के रूप याद किया जाएगा। पत्रकारों एवं मीडिया की स्वतंत्रता छीन ली गई थी।

50 साल बाद भी नहीं भरा इमरजेंसी का जख्म : मीसाबंदी द्वारिका जायसवाल बोले...जहां रेल नहीं,वहां पटरी उखाड़ने का आरोप,19 महीने की जेल, न सुनवाई, न इंसाफ

देश में आपातकाल को लागू हुए आज 50 साल बीत चुके हैं, लेकिन उस दौर में हुए अत्याचार, नाइंसाफी और लोकतंत्र के गला घोंटने की कहानियां आज भी पीडितों के ज़ेहन में जिंदा हैं। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के मीसाबंदी द्वारिका जायसवाल उन्हीं चश्मदीद गवाहों में से एक हैं, जिन्हें 1975 में मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया था। आज भी उन 19 महीनों की यातनाओं को याद कर वह सिहर उठते हैं।

मुख्य सचिव के चयन को लेकर कवायद तेज

» रेणु जी पिल्ले, सुब्रत साहू, मनोज पिंगुआ प्रमुख दावेदार

» केन्द्र के निधि छिब्बर एवं अमित अग्रवाल की भी दावेदारी

रायपुर,25 जून 2025 (ए)। प्रदेश में नए मुख्य सचिव के चयन को लेकर सत्ता के गलियारों में कवायद तेज हो गई है। वर्तमान मुख्य सचिव 30 जून को अमिताभ जैन अवकाश ग्रहण करने जा रहे हैं। केन्द्र की सहमति के पश्चात नया मुख्य सचिव नियुक्त किया जाएगा। राज्य में नए मुख्य सचिव को लेकर अब अटकलों का दौर प्रारंभ हो गया है। वर्तमान एसीएस वरिष्ठता में रेणु जी पिल्ले, सुब्रत साहू, मनोज पिंगुआ एवं ऋचा शर्मा दौड़ में शामिल हैं। यदि इनमें से किसी एक का चयन नहीं तो दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्रीमती निधि छिब्बर तथा अमित अग्रवाल को भी छत्तीसगढ़ लाने की तैयारी की जा रही है। केन्द्र शासन के डीओपीटी की गाइड लाइन के अनुसार नए मुख्य सचिव का चयन किया जाएगा। वर्तमान मुख्य सचिव ने कार्यकाल बढ़ाने के लिए उच्च स्तरीय प्रयास किया है, लेकिन अभी इस पर सफलता नहीं मिल पाई है। आगामी दिनों में अवकाश होने के कारण यह आदेश कल भी जारी हो सकता है। इस समय सुब्रत साहू से लेकर मनोज पिंगुआ अपने शुभचिंतकों से मिलकर अपनी नियुक्ति का प्रयास कर रहे हैं। मनोज पिंगुआ मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र के बाजू झारखंड जिले के सिमडेगा के रहने वाले हैं, ये भी नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर लौटे हैं।

नये मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति जल्द

प्रदेश में नए मुख्य सूचना आयुक्त का पद पिछले कई दिनों से रिक्त है। यहां पर इस पद के लिए मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आवेदन दे दिया है। अब इसकी नियुक्ति होना बाकी है, चयन समिति में मुख्यमंत्री एवं नेताप्रतिपक्ष शामिल हैं। दोनों की सहमति के बाद इसकी नियुक्ति की जाएगी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

युवती की लाश सड़क में रखकर प्रदर्शन,जांच की मांग

कोरबा,25 जून 2025 (ए)। कोरबा की बेटी की मध्यप्रदेश के सिंगरौली में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाते हुए परिजन मध्यप्रदेश पुलिस के जांच पर सवाल उठा रहे हैं. अब स्थानीय पुलिस-प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने हरदीबाजार के आमगांव चौक पर लाश को रखकर सड़क जाम कर दिया है. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी परिजनों को समझने का प्रयास कर रहे हैं

विधवा महिलाओं से पेंशन के नाम पर अवैध वसूली करनेवाला लिपिक हुआ सस्पेंड

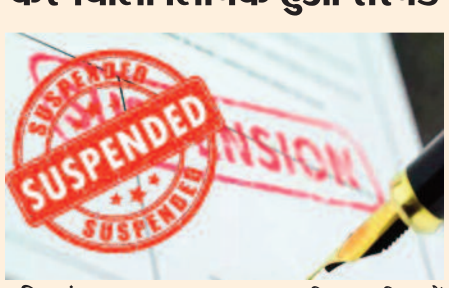

गरियाबंद, 25 जून 2025 (ए)। विधवा महिलाओं से पेंशन के नाम पर अवैध वसूली करने वाले दो लिपिकों के खिलाफ अब विभागीय कार्रवाई की गई है। लिपिक मजहर खान और खोरबहारा ध्रुव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी किया है। मामले में दोनों आरोपी को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि मामला फिंगेश्वर बीईओ दफ्तर से जुड़ा था। जहां ब्लॉक में बतौर शिक्षक सेवा दे रहे गेसराम दीवान और चेनसिंह दीवान की मृत्यु के बाद उपादान की राशी देने और पेंशन प्रकरण बनाने के नाम पर पेंशन शाखा संभाल रहे लिपिक मजहर खान और बोरिद हाईस्कूल के लिपिक खोरबहारा ध्रुव ने दोनों के बेवा से लाख कुल 4.80 लाख रुपये की रिश्वत ले लिया.

योगाश्रम की आड़ में गांजा कारोबार

हाई-प्रोफाइल कथित योगगुरु गिरफ्तार

डोंगरगढ़,25 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां योग,अध्यात्म और ध्यान की आड़ में गांजा तस्करी की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। पुलिस ने प्रज्ञागिरी पहाड़ी के पास एक फार्महाउस में छापेमारी कर खुद को योगगुरु बताने वाले कांती अग्रवाल (45 वर्ष) को गांजा बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से लगभग 2 किलोग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग ₹20,000 आंकी गई है।

योग के नाम पर गुमराह, नशे का धंधा

पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि डोंगरगढ़ के प्रज्ञागिरी क्षेत्र में बने एक फार्महाउस में संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। फार्महाउस को योगाश्रम के रूप में प्रचारित किया गया था, जहां स्थानीय युवाओं और आने वाले पर्यटकों को योग के बहाने गांजा और नशे का सामान उपलब्ध कराया जा रहा था। पुलिस ने जब यहां दबिश दी,तो फार्महाउस में चल रही गांजा बिक्री की पुष्टि हुई। मौके पर ही कांती अग्रवाल नामक व्यक्ति को गांजा सौंपते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

कौन है कांती अग्रवाल ?

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह डोंगरगढ़ का स्थायी निवासी है, लेकिन पिछले 10 वर्षों से गोवा में एक योगाश्रम संचालित कर रहा था। वह विदेशी नागरिकों को योग और ध्यान की शिक्षा देता था और दावा करता है कि उसने 100 से अधिक देशों की यात्रा की है। वह स्वयं को 10 से अधिक एनजीओ का डायरेक्टर भी बताता है।

कातिल सीआरपीएफ कांस्टेबल को राहत देने हाईकोर्ट ने किया इनकार

तनाव में फायरिंग करना अमानवीय कदम

बिलासपुर,25 जून 2025 (ए)। चार सहकर्मियों की हत्या के दोषी सीआरपीएफ कांस्टेबल संत कुमार की आपराधिक अपील को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि ड्यूटी की कठिन और तनावपूर्ण परिस्थितियां किसी को ऐसा अमानवीय कदम उठाने का अधिकार नहीं देतीं। कोर्ट ने माना कि घायल चश्मदीद गवाह की गवाही का कानूनी महत्व अत्यधिक होता है और जब तक उसमें कोई गंभीर विरोधाभास या असंगति न हो, उसे खारिज नहीं किया जा सकता। यह फैसला हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी.डी. गुरु ने सुनाया। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने संत कुमार को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत दोषी ठहराकर जो सजा सुनाई है, उसमें किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि नहीं है।

अमित जोगी 1173 समर्थक सहित गिरफ्तार

पूर्व सीएम अजीत जोगी की प्रतिमा स्थापित करने ज्योतिपुर चौक पहुंचे थे समर्थकों को सहित...

पेंड्रा, 25 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के पेंड्रा में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की मूर्ति विवाद को लेकर पुलिस ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अमित जोगी समेत 1173 समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को अमित जोगी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ ज्योतिपुर चौक पर पहुंचे, जहां पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा स्थापित करने की कोशिश की। जिसे लेकर विवाद हो गया। पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया। ज्योतिपुर से 500 मीटर दूरी पर ही अजीत जोगी की समाधि है, एक किमी की दूरी पर बेटी अनुषा जोगी की समाधि है। प्रशासन की ओर से बताया गया कि, संबंधित स्थल पर मूर्ति स्थापना के लिए

अनुमति नहीं ली गई थी। स्थिति को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। हालांकि,एसडीओपी दीपक मिश्रा के मुताबिक,पुलिस ने पीएनएस एक्ट की धारा 172 के तहत सभी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पीएनएस एक्ट की धारा 172 के तहत सभी को गिरफ्तार किया था। लेकिन, निजी मुचलके पर सभी को छोड़ दिया गया है।

ट्रैफिक चालान मामलों की सुनवाई अब ऑनलाइन

छत्तीसगढ़ के हर संभाग में खुलेंगे वर्चुअल कोर्ट

रायपुर,25 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक चालान मामलों की सुनवाई को आसान, डिजिटल और जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए राज्य हाईकोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब राज्य के सभी पांच संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और बस्तर में वर्चुअल कोर्ट की स्थापना की जा रही है,जिससे वाहन चालकों को ट्रैफिक केस की सुनवाई के लिए अदालतों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

हाईकोर्ट के आदेश से क्रियान्वयन शुरू

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन वर्चुअल कोर्ट्स में संबंधित जिलों के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुनवाई करेंगे। बस्तर संभाग की वर्चुअल कोर्ट जगदलपुर में संचालित होगी और बीजापुर, सुकमा, कांकेर जैसे जिलों के चालान मामलों की सुनवाई वहीं से होगी।

संभागों में वर्चुअल कोर्ट्स

1.बिलासपुर कोर्टः कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, जीपीएम आदि जिलों को कवर करेगी।
2.दुर्ग कोर्टः बालोद, बेमेतरा, कवर्धा जैसे जिलों के चालान देखेगी।
3.अंबिकापुर कोर्टः सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर को कवर करेगी।
4.रायपुर कोर्टः गरियाबंद, महासमुंद, बलौदा बाजार, धमतरी और रायपुर के केस को कवर करेगी।

क्या होगा फायदा

इस नई व्यवस्था के लाभ यह डिजीटल जस्टिस सिस्टम वाहन चालकों को राहत देगी क्योंकि अब उन्हें छुट्टी लेकर कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा। केवल मोबाइल या कंप्यूटर के जरिए ई-हियरिंग में शामिल होकर अपना चालान निपटा सकेंगे। इससे न्याय प्रक्रिया तेज होगी, कोर्ट का बोझ भी घटेगा और आम जनता को तत्काल राहत मिलेगी।

ऐसे होगी पूरी प्रक्रियाः पूरी तरह डिजिटल सिस्टम

1.वाहन चालक चालान की जानकारी पोर्टल या ऐप पर देख सकेंगे।
2.वर्चुअल कोर्ट के जरिए ई-सुनवाई में हिस्सा लेंगे।
3.ऑनलाइन चालान भुगतान कर सकेंगे। 4.पूरा रिकॉर्ड डिजिटल फॉर्मेट में सेव रहेगा।

रायपुर में चलती कार से फेंका युवक का शव, चार गिरफ्तार

रायपुर,25 जून 2025 (ए)। राजधानी रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम चलती कार से एक युवक का शव फेंके जाने से सनसनी फैल गई। यह सनसनीखेज घटना थाने के पीछे नवनिर्मित सड़क पर घटी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन की पहचान की और वाहन मालिक, एक लड़की और दो युवकों को हिरासत में ले लिया। मृतक युवक का नाम मनदीप सिंह है, जिसके हाथ पर उसका नाम टैटू बना हुआ पाया गया। घटना की खबर मिलते ही कबीर नगर थाना प्रभारी, फोरेंसिक टीम व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव की हालत को देखते हुए पुलिस को संदेह है कि युवक की मौत अत्यधिक नशा करने के कारण हुई है। जांच में पता चला कि जब शव को फेंका गया तो मृतक मनदीप के साथ कार में एक युवती और दो युवक मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह कार क्रेटा मॉडल की है।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी हत्याकांड मामले में वकील दंपत्ति सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,25 जून 2025 (ए)। राजधानी रायपुर के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में हुई किशोर पैकरा हत्याकांड में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस जघन्य हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी वकील अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा ने हत्या की साजिश 25 दिन पहले ही रच ली थी। हत्या के पीछे जमीन का सौदा,पैसे के लेन-देन और कमीशन का विवाद सामने आया है। हत्या के आरोप में गिरफ्तार आरोपी वकील अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा से पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उन्होंने किशोर पैकरा की जमीन को 30 लाख रुपए में बिकवाया था। इस सौदे में अंकित उपाध्याय को 2 लाख रुपए कमीशन के तौर पर मिले थे। हत्या की यह वारदात उस समय सामने आई जब हांडीपारा निवासी और विकलांग किशोर पैकरा का शव इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित एक मकान में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। जांच के दौरान पुलिस को कई संदेहास्पद पहलू मिले, जिसके बाद तकनीकी विश्लेषण और कॉल डिटेल्स के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई।

कुकर्मी बाप को मरते दम तक कारावास की सुनायी सजा

पॉक्सो कोर्ट ने मात्र 10 महीने की सुनवाई में कर दिया फैसला

जांजगीर-चाम्पा,25 जून 2025 (ए)। 2 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के दोषी सौतेले पिता को अपर सत्र न्यायालय, पॉक्सो ने शेष प्राकृत जीवनकाल तक जेल की सजा सुनाई है। यानी, आरोपी अंतिम सांस तक जेल में रहेगा। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) चंद्रप्रताप सिंह ने बताया कि मामला 19 अक्टूबर 2024 का है। मासूम बच्ची अपनी मां के साथ जांजगीर आई थी। यहां उसका सौतेले पिता दुकान ले जाने के नाम पर बच्ची को ले गया और ठेले के पास उइसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी बच्ची को अनाचार का शिकार बनाने के बाद झाड़ियों में बेसुध छोड़कर फरार हो गया था। बच्ची की हालत देखकर परिवार और इलाके के लोग स्तब्ध रह गए।

मामले में रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी सौतेले पिता को गिरफ्तार किया और प्रकरण को कोर्ट में पेश किया विशेष न्यायालय ने सिर्फ 10 महीने में सुनवाई पूरी कर आरोपी को दोषी ठहराया और उसे मृत्यु तक जेल में रहने की सजा सुनाई। यह छत्तीसगढ़ न्यायिक व्यवस्था के लिए त्वरित न्याय की नजीर बन गया है।

शादी के 20 दिन बाद पत्नी प्रेमी संग फरार

पति को बीच रास्ते छोड़ा

बिलासपुर, 25 जून 2025 (ए)। मस्तूरी क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक नवविवाहित युवक के साथ विश्वासघात हुआ है। यह मामला किसी फिल्मी कहानी जैसा लग सकता है, लेकिन यह हकीकत है। पीड़ित युवक अंकित महिलांगे की शादी महज 20 दिन पहले हुई थी। शादी के बाद पत्नी रंजिता जोशी परंपरा के अनुसार मायके चली गई थी। जब युवक उसे वापस ससुराल ले जाने गया, तो रास्ते में कुछ ऐसा हुआ जिसने उसे हिलाकर रख दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक,तोरवा थाना क्षेत्र में युवक अपनी पत्नी को मायके से विदा कराकर ला रहा था, तभी रास्ते में तीन अज्ञात युवकों ने उन्हें रोका और अंकित पर हमला कर दिया। इससे पहले कि अंकित

कुछ समझ पाता, उसकी पत्नी बाइक से उतर गई और हमलावर युवकों में से एक के पीछे बैठकर मौके से फरार हो गई।

पीड़ित युवक का कहना है कि उसकी पत्नी ने स्वेच्छा से उस युवक के कंधे पर हाथ रखा और एक बार भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस धोखे से आहत पति ने तुरंत थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हमलावर युवकों की तलाश की जा रही है।

यह मामला न केवल रिश्तों में बढ़ते फरेब को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि प्यार और विश्वास के नाम पर किस तरह लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)